हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 342 | बेमेतरा, मंगलवार 29 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

ऑपरेशन सिंदूर : राजनाथ सिंह का पाकिस्तान पर तंज

भारत शेर है...मेंढकों से नहीं लड़ता आतंकवाद पर होगा निर्णायक वार

नई दिल्ली/ एजेंसी

सदन में व्यवधान के कारण शुरुआती देरी के बाद सोमवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू हुई। यह चर्चा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संबोधन के साथ दोपहर 12 बजे शुरू होनी थी। लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही लगातार तीन बार स्थगित करनी पड़ी, जिससे चर्चा शुरू होने का समय आगे बढ़ गया। बाद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दोपहर 2 बजे लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर' केवल सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति का निर्णायक प्रकटीकरण था। राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा कि मैं उन सैनिकों को नमन करता हूँ जिन्होंने भारत की अखंडता के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। यह सिर्फ़एक सैन्य अभियान नहीं था, बल्कि आतंकवाद के ख़िलाफ़ एक निर्णायक प्रदर्शन था। उन्होंने कहा कि पहलगाम में धर्म पूछकर नागरिकों की हत्या कर दी गई। प्रधानमंत्री मोदी ने सशस्त्र बलों को खुली छूट दे दी। हमारे पास कई विकल्प थे। लेकिन हमने वह विकल्प चुना जिससे पाकिस्तानी नागरिकों को कोई नुकसान न हो और सिर्फ़ आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया जाए। हमने 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक निशाना साधा। 100 से ज़्यादा आतंकवादी मारे गए। राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि हमारे सशस्त्र बलों द्वारा किए गए सुनियोजित हमलों में आतंकवादी ढाँचे के 9 ठिकानों पर सटीक निशाना साधा गया। इस सैन्य अभियान में, अनुमान है कि सौ से ज़्यादा आतंकवादी, उनके प्रशिक्षक, आका और सहयोगी मारे गए। इनमें से ज़्यादातर जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिज़्बुल मुजाहिदीन जैसे आतंकवादी संगठनों से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि पूरा ऑपरेशन 22 मिनट के भीतर पूरा कर लिया गया। उन्होंने कहा कि भारत के आतंकवादी शिविरों पर हमले के बाद भारतीय डीजीएमओ ने पाकिस्तानी डीजीएमओ को सूचित किया और कहा कि हम हालात को और खराब नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बल अपने सभी उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रहे। रक्षा मंत्री ने लोकसभा में कहा कि एस-400, आकाश मिसाइल प्रणाली, वायु रक्षा बंदूकें बहुत उपयोगी साबित हुई और पाकिस्तान के इस हमले को पूरी तरह से विफल कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद ऐसे थमी गोलाबारी.......

भारतीय सेना की कार्रवाई के बाद विगत 10 मई को थमी गोलाबारी के पीछे की वजह साफ करते हुए संसद के पटल पर रक्षा मंत्री राजनाथ ने साफकिया, पाकिस्तान के सैन्य महानिदेशक ने भारत के डीजीएमओ से संपर्क किया और सैन्य कार्रवाइयों को रोकने की अपील की। उन्होंने कहा, 'मैं सदन में यह बात फ़िर से दुहराना चाहूंगा कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ से संपर्क किया और सैन्य कार्रवाइयों को रोकने की अपील की। 12 मई को दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच औपचारिक संवाद हुआ और दोनों पक्षों ने सैन्य कार्रवाइयों पर विराम लगाने का निर्णय लिया। राजनाथ सिंह ने पड़ोसी देश के साथ-साथ पूरी दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया और कहा, 'लड़ाई हमेशा बराबरी वालों से की जाती है, शेर कभी मेंढक पर हमला नहीं करता, पाकिस्तान से मुकाबला कर भारत लेवल खराब नहीं करेगा।' उन्होंने कहा, आतंकवाद को समर्थन देने वालों को यह स्पष्ट संदेश चला गया है कि भारत अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है।

ऐसा करने वाली बनी पहली भारतीय महिला

दिव्या देशमुख ने जीता महिला चेस वर्ल्ड कप का खिताब...

नई दिल्ली/ एजेंसी

महिला चेस वर्ल्ड कप 2025 अपने नाम कर लिया है। जॉर्जिया में हुए इस वर्ल्ड कप फाइनल में 19 वर्षीय दिव्या ने इस दौरान हमवतन कोनेरू हम्पी को शिकस्त देते हुए ये खिताब अपने नाम किया। पिछले साल ही दिव्या ने जूनियर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीता था । भारत की युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने महिला चेस वर्ल्ड कप 2025 अपने नाम कर लिया है। जॉर्जिया में हुए इस वर्ल्ड कप फाइनल में 19 वर्षीय दिव्या ने इस दौरान हमवतन कोनेरू हम्पी को शिकस्त देते हुए ये खिताब अपने नाम किया। पिछले साल ही दिव्या ने जूनियर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीता था और अब वह महिला चेस वर्ल्ड कप की चैंपियन बन गई हैं। ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी हैं। फाइनल मुकाबले में दोनों भारतीय दिग्गजों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। दोनों क्लासिकल गेम्स ड्रॉ रहे, जिसके बाद फैसला रैपिड टाईब्रेकर में हुआ। दिव्या देशमुख ने हम्पी को 1.5-0.5 से हराकर न केवल खिताब जीता बल्कि एक नया इतिहास भी रच दिया। वह शतरंज वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। इस बेहतरीन जीत के साथ ही दिव्या देशमुख भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गई हैं। ग्रैंडमास्टर की उपाधि शतरंज की दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित मानी जीता है और इसे हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के करियर की सबसे बडी उपलब्धियो में से एक होता है। इस जीत के बाद दिव्या को इनामी राशि के रूप में लगभग 43 लाख रुपये मिलेंगे। वहीं हम्पी को करीब 30 लाख रुपये मिलेंगे। हालांकि, ये पहली बार है जब इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में दो भारतीय शतरंज खिलाड़ी आमने-सामने थीं।

पहला कॉलम

ट्रिपल मर्डर से फैली सनसनी, जमीन के लिए बेटे ने मां-बाप और बहन को कुल्हाड़ी से काट डाला

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले से आज एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक कलयुगी बेटे ने जमीन के एक टुकड़े के लिए अपने ही मां-बाप और बहन की कुल्हाड़ी से काटकर बेरहमी से हत्या कर दी। इस तिहरे हत्याकांड के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। यह वीभत्स घटना गाजीपुर के नंदगंज थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अभय यादव का अपने परिवार के साथ जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते उसने आज इस क्रूर घटना को अंजाम दिया। मौके पर पहुंचे गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने बताया कि हत्या के पीछे की वजह जमीनी विवाद है। जांच में पता चला है कि परिवार के मुखिया शिवराम यादव के पास करीब 2.5 बीघा जमीन थी। कुछ समय पहले उन्होंने अपनी कुल जमीन का एक तिहाई हिस्सा अपनी शादीशुदा बेटी कुसुम देवी के नाम कर दिया था।

सिद्धार्थ सिंह के रिंग सेरेमनी में पहुंचे भाजपा नेता राकेश सिंह

पटना। वरिष्ठ आईपीएस अशोक सिंह के बेटे सिद्धार्थ सिंह की रिंग सेरेमनी में भाजपा नेता और सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने वर-वधु को आशीर्वाद दिया और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सिद्धार्थ सिंह का विवाह पूर्व मंत्री सुभाष सिंह की बेटी ब्यूटी कुमारी से हो रहा है। कार्यक्रम में कई वीआईपी मेहमान उपस्थित थे, जिनमें उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार सरकार मंत्री सुनील कुमार, सांसद संजय जायसवाल, पूर्व विधायक मिथलेश तिवारी और भाजपा नेता ओमप्रकाश सिंह शामिल थे। इसके अलावा सुमंत कुमार, मोनू सिंह और रविंद्र यादव जैसे कई भाजपा नेता भी मौजूद थे। गौरतलब है कि अशोक सिंह के बेटे सिद्धार्थ की शादी एक भव्य समारोह में होने जा रही है, जिसमें कई गणमान्य व्यक्ति शिरकत करेंगे ।

राजगीर और पटना में साइबर फॉरेंसिक लैब बनाने की तैयारी

नई दिल्ली। बिहार में तेजी से बढ़ते साइबर अपराध के मामलों का अनुसंधान ठोस और प्रमाणिक तरीके से करने के लिए दो साइबर फॉरेंसिक प्रयोगशाला बनाने की योजना है। पटना और राजगीर में एक-एक ऐसा विशेष लैब स्थापित करने की तैयारी शुरू हो गई है। वर्तमान में सीआईडी के अंतर्गत कार्यरत फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) के साथ ही इसका संचालन किया जाएगा। इससे संबंधित विस्तृत कार्ययोजना के अमलीजामा पहनाने में सीआईडी लगा हुआ है। साइबर फॉरेंसिक लैब को स्थापित करने के लिए गुजरात के गांधीनगर स्थित नेशनल फॉरेंसिक साइंस विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) की विशेष टीम जल्द ही बिहार आने जा रही है।

गौरव गोगोई का सरकार से तीखा सवाल

आतंकी पहलगाम में कैसे आए रक्षामंत्री यह नहीं बता पाए

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस के गौरव गोगोई ने लोकसभा में कहा कि राजनाथ सिंह ने बहुत सारी जानकारी दी, लेकिन रक्षा मंत्री के रूप में यह नहीं बताया कि आतंकवादी पहलगाम में कैसे आए। राष्ट्रहित में ये सवाल पूछना हमारा कर्तव्य है। देश जानना चाहता है कि पहलगाम हमले को 100 दिन बीत चुके हैं, लेकिन यह सरकार आतंकवादियों को न्याय के कटघरे में नहीं ला पाई है। कांग्रेस सांसद ने कहा, 'हम आज राजनाथ सिंह जी से जानना चाहते हैं कि हमारे कितने लड़ाकू विमान गिराए गए। हमें यह सिर्फ जनता को ही नहीं, बल्कि अपने जवानों को भी बताना होगा, क्योंकि उनसे भी झूठ बोला जा रहा है। गोगोई ने कहा, 'पूरा देश और विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन कर रहे थे। अचानक 10 मई को हमें पता चला कि युद्धविराम हो गया है। क्यों? हम प्रधानमंत्री मोदी से जानना चाहते थे कि अगर पाकिस्तान घुटने टेकने को तैयार था, तो आप क्यों रुके और किसके सामने आत्मसमर्पण किया? अमेरिकी राष्ट्रपति ने 26 बार कहा है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को युद्धविराम की घोषणा करने के लिए मजबूर किया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, 'पहलगाम हमले को 100 दिन हो गए हैं, लेकिन यह सरकार उन पांच आतंकवादियों को पकड़ नहीं पाई है। आज आपके पास ड्रोन, पेगासस, सैटेलाइट, सीआरपीएफ बीएसएफ सीआई एसएफहैं। रक्षा मंत्री कुछ दिन पहले वहां गए थे, फिर भी आप उन्हें पकड़ नहीं पा रहे हैं।

'पीएम मोदी पहलगाम नहीं गए मारे नेता राहुल गांधी गए'

गोगोई ने कहा, 'आखिर में पहलगाम हमले की जिम्मेदारी कौन लेता है? जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल। अगर किसी को जिम्मेदारी लेनी है, तो वह केंद्रीय गृह मंत्री हैं। केंद्रीय गृह मंत्री और केंद्र सरकार उपराज्यपाल के पीछे नहीं छिप सकते। सरकार इतनी कमजोर और कायर है कि उसने कहा कि टूर ऑपरेटर लोगों को उनकी अनुमति या लाइसेंस के बिना बैसारन ले जाने के लिए जिम्मेदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब से वापस आ गए, लेकिन उन्होंने पहलगाम का दौरा नहीं किया।

खादी अब सिर्फ वस्त्र नहीं, बन रहा बदलाव की बुनियाद

नई दिल्ली। बिहार की ग्रामीण महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की मिसाल बन रही हैं। जो हुनर कभी घर की चौखट तक सीमित था, वह अब खादी प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से बाजार में अपनी चमक बिखेर रहा है। राज्य सरकार की योजनाएं इन महिलाओं को आर्थिक मजबूती ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान भी दिला रही हैं। राज्य भर में संचालित खादी संस्थानों और प्रशिक्षण केंद्रों में महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, ग्रामोद्योग और घरेलू उत्पाद निर्माण जैसे क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बिहार एसआईआर केस

रोक लगाने से इनकार,सुप्रीम ने फिर कहा-आधार और वोटर आईडी को माना जाए वैध दस्तावेज.....

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बिहार में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में आधार और मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) को वैध दस्तावेज़ के रूप में स्वीकार करने में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की अनिच्छा पर सवाल उठाया और कहा कि कोई भी दस्तावेज़ जाली हो सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने चुनाव आयोग के बहिष्कार के रवैये पर चिंता व्यक्त की और सत्यापन प्रक्रिया में दोनों दस्तावेज़ों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि दुनिया का कोई भी दस्तावेज जाली हो सकता है। उन्होंने चुनाव आयोग से यह स्पष्ट करने का आग्रह किया कि आधार और ईपीआईसी को पूरी तरह से स्वीकार क्यों नहीं किया जा रहा है, जबकि पंजीकरण फॉर्म में आधार पहले से ही मांगा जा रहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने कहा कि ईसीआई द्वारा सूचीबद्ध कोई भी दस्तावेज जाली हो सकता है और स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची से केवल आधार कार्ड और चुनावी फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) को बाहर करने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया। अदालत ने कहा कि इन दोनों दस्तावेज़ों को शामिल करें। कल आपको सिर्फ़ आधार ही नहीं, बल्कि 11 में से 11 दस्तावेज़ भी जाली दिख सकते हैं। यह एक अलग मुद्दा है। लेकिन हम सामूहिक बहिष्कार पर हैं। इसे सामूहिक समावेशन होना चाहिए। कृपया आधार को भी शामिल करें। न्यायालय राज्य विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग के 24 जून के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आदि तिरुवथिराई महोत्सव में भाग लिया.

विपक्ष पर भड़के किरेन रिजिजू

अब ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से क्यों भाग रहे...

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू होने से पहले ही लोकसभा स्थगित होने पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर वार किया है। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस और विपक्ष अब ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से क्यों भाग रहे हैं? उन्होंने कहा कि हम सभी चर्चा के लिए तैयार थे। चर्चा शुरू होने से 10 मिनट पहले, विपक्ष ने अपना एजेंडा पेश किया कि सरकार एक निश्चित समय सीमा तय करे कि इसके बाद स्ङ्कक्रके मुद्दे पर चर्चा होगी। चर्चा शुरू होने से ठीक 10 मिनट पहले ऐसी शर्त लाना ठीक नहीं है। रिजिजू ने कहा कि विपक्ष ने यू-टर्न ले लिया है। यह नहीं चलेगा। संसद की कार्यवाही फिर से शुरू होगी।

जम्मू-कश्मीर में सेना को बड़ी कामयाबी

लिडवास में तीन आतंकी ढेर,पहलगाम हमले से जुड़े हो सकते हैं दहशतगर्द

जम्मू/ एजेंसी

श्रीनगर के हरवान इलाके में जारी मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। आतंकियों के खिलाफइस कार्रवाई को ऑपरेशन महादेव नाम दिया गया है। माना जा रहा है कि इस ऑपरेशन में जिन आतंकियों को ढेर किया गया है, उनका संबंध पहलगाम में हुए आतंकी हमले से है। इस ऑपरेशन में अब तक तीन आतंकियों को मार गिराया गया है। ये आतंकी लंबे समय से सक्रिय और वांछित थे। मुठभेड़ अब भी जारी है, इलाके में सर्च ऑपरेशन चल रहा है। सुरक्षा बल पूरी सतर्कता से अभियान को अंजाम दे रहे हैं। लिडवास के सामान्य क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन महादेव पर भारतीय सेना की चिनार कोर ने कहा, एक गहन गोलीबारी में तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया है। ऑपरेशन जारी है। जानकारी के अनुसार, श्रीनगर जिले के हरवन इलाके में सोमवार को एक कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन के दौरान गोलीबारी की आवाजें सुनाई दीं। जंगल क्षेत्र में संदिग्ध आतंकियों की गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने घेराबंदी की। जिसमें तीन आतंकियों को मार गिराने में सफलता हासिल की। जबकि दो आतंकियों के घायल होने की खबर है। इस अभियान में 50 राष्ट्रीय राइफल्स , 24 ऋक्र श्रीनगर

पुलिस और सीआरपीएफ की टीमें शामिल हैं। सेना की चिनार कोर ने बताया कि तीन आतंकियों को एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया है, ऑपरेशन अब भी जारी है। मारे गए आतंकियों की पहचान और उनका किस संगठन से संबंध था, इसका पता लगाया जा रहा है। यह ऑपरेशन उन आतंकियों की तलाश में शुरू किया गया था, जो अप्रैल में पहलगाम हमले में शामिल हो सकते हैं, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। हाल के खुफिया इनपुट में यह संकेत मिला था कि संदिग्ध आतंकी दाछिगाम की ओर बढ़ सकते हैं। सोमवार सुबह हरवान के मुलनार इलाके में खुफिया सूचना के आधार पर अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान गोलियों की आवाजें सुनी गईं। इसके बाद अतिरिक्त सुरक्षाबल मौके पर भेजे गए और तलाशी अभियान तेज कर तीन आतंकियों को मार गिराया गया।

शासकीय योजनाओं की जानकारी और लाभ वितरण का केंद्र बना नगर पंचायत दाढ़ी, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष ने किया शासकीय स्टॉल का निरीक्षण, योजनाओं की सराहना की

विकास कार्यक्रम में लगे विभागीय स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र, हितग्राहियों को मिला सीधा लाभ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नगर पंचायत दाढ़ी में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित विभागीय स्टॉल लगाए गए, जिनका अवलोकन प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उपमुख्यमंत्री अरुण साव, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, सहित विधायक गण, जिला अध्यक्ष भाजपा, स्थानीय व जिले के जनप्रतिनिधियों ने किया। इन स्टॉलों के माध्यम से आम नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई एवं पात्र हितग्राहियों को लाभ भी प्रदान किया गया। उद्यानिकी विभाग ने अपने स्टॉल में फ्लदार पौधों, सब्जी उत्पादन और ग्रीन हाउस जैसी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही विभागीय योजनाओं के तहत लाभान्वित कृषकों की प्रदर्शन सामग्री भी प्रदर्शित की गई, जिससे अन्य किसान प्रेरित हो सकें।पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और अन्य ग्रामीण विकास योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाया गया। इस स्टॉल पर पात्र हितग्राहियों को उनके स्वीकृत आवासों के स्वीकृति पत्र और चेक भी वितरित किए गए। कृषि विभाग ने खाद-बीज, कीट नियंत्रण, जैविक खेती, सॉयल हेल्थ कार्ड और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं की जानकारी दी। विभाग ने उन कृषकों की सफलता की कहानियों को भी प्रदर्शित किया जो इन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं। मत्स्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में मछुआरों के लिए योजनाएं प्रदर्शित की गई। हितग्राहियों को आइस बॉक्स और मछली पकड़ने के जाल का वितरण भी किया गया, जिससे उनकी आजीविका में सुधार हो सके। महिला एवं बाल विकास विभाग ने पोषण अभियान, सूपोषण केंद्र, किशोरी स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी सेवाएं जैसी योजनाओं से जुड़े स्टॉल लगाए। विभाग ने महिला स्व-सहायता समूहों और हितग्राहियों को चेक और पोषण किट प्रदान किए। इस अवसर पर आमजन ने स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और विभागीय अधिकारियों से मार्गदर्शन भी लिया। कार्यक्रम में विभागीय समन्वय, जनसहभागिता और पारदर्शिता के साथ शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का सराहनीय प्रयास किया गया।

मेगा ब्लड डोनेशन कैंप में दिखी मानवता की मिसाल कलेक्टर, एसपी समेत सैकड़ों लोगों ने किया रक्तदान सीआरपीएफ और डीआरजी के जवानों की भी उल्लेखनीय भागीदारी

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिला प्रशासन एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा में मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, सुरक्षाबलों के जवान, जनप्रतिनिधि और सैकड़ों आम नागरिकों ने मिलकर मानव सेवा का परिचय दिया।

रक्तदान कर आगे आए अधिकारी और जवान–इस अवसर पर कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक गौरव राय और जिला पंचायत सीईओ श्जयंत नाहटा सहित सीआरपीएफ व डीआरजी के जवानों स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी और आम नागरिकों ने रक्तदान कर एक मजबूत सामाजिक संदेश दिया।

1 घंटे में जुटे 30 यूनिट रक्त

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जानकारी दी कि महज़ एक घंटे में 30 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जो दुर्घटना, प्रसव और आपात चिकित्सा में अमूल्य जीवन रक्षक संसाधन के रूप में उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने नागरिकों से भी नियमित रक्तदान करने की अपील की। कई विभागों की रही सक्रिय भूमिका इस विशेष अवसर पर सीएमएचओ डॉ. अजय रामटेके, सिविल सर्जन डॉ. अभय तोमर, डीपीएम प्रतीक सोनी, स्वास्थ्य विभाग की टीम और रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्यगण भी उपस्थित रहे। इस शिविर ने न केवल रक्तदान के महत्व को रेखांकित किया, बल्कि दंतेवाड़ा के लोगों में मौजूद सेवा-भावना को भी उजागर किया है।

संसाधन नहीं तो काम नहीं' – तहसीलदार-नायब तहसीलदार संघ का चरणबद्ध आंदोलन शुरू

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के बैनर तले बीते सोमवार से प्रदेशभर के तहसीलदार और नायब तहसीलदार ÷संसाधन नहीं तो काम नहीं÷ के नारे के साथ चरणबद्ध आंदोलन की राह पर उतर गए हैं। दंतेवाड़ा में यह प्रदर्शन दुर्गा पंडाल परिसर में आयोजित किया गया, जहां राजस्व अधिकारियों ने धरना दिया और अपनी मांगों को लेकर सरकार के प्रति नाराजगी जताई। इस आंदोलन का उद्देश्य न केवल अपने अधिकारों की रक्षा करना है, बल्कि प्रदेश की राजस्व व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु आवश्यक संसाधनों की मांग को भी मजबूती से रखना है। संघ की प्रमुख 17 सूत्रीय मांगों में निम्न बिंदु शामिल हैं जिसमें डिप्टी कलेक्टर पद पर पदोन्नति का अनुपात पुनः 50:50 किया जाए नायब तहसीलदार पद को राजपत्रित श्रेणी में शामिल किया जाए व अन्य मांग शामिल हैं संघ का आरोप है कि शासन-प्रशासन को कई बार ज्ञापन और अनुरोध दिए गए, लेकिन ठोस पहल अब तक नहीं की गई। राजस्व अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शासन ने समय रहते मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलन को आगे अनिश्चितकालीन किया जा सकता है। दंतेवाड़ा में हुए प्रदर्शन में अधिकारियों ने एकजुट होकर यह संदेश दिया कि संसाधनों के अभाव में व्यवस्था को बनाए रखना असंभव है, और यदि प्रशासनिक तंत्र को अपेक्षित सहयोग नहीं मिला, तो कार्य बंद करने की नौबत भी आ सकती है।

लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण के लिए कार्यशाला आयोजित

रायपुर/मूक पत्रिका

राजधानी में पेंशन के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देशन में बीते सोमवार को गजानन पटेल, वरिष्ठ कोषालय अधिकारी, जिला कोषालय रायपुर द्वारा रेडक्रॉस सभा कक्ष कलेक्ट्रेट परिसर में कार्यशाल आयोजित किया गया । जिसमें जिला कोषालय रायपुर के अंतर्गत आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को उनके कार्यालय स्तर पर आपत्ति युक्त लंबित पेंशन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण किये जाने हेतु संभागीय संयुक्त संचालक, कोष, लेखा एवं पेंशन रायपुर महेश साकल्ले एवं वरिष्ठ कोषालय अधिकारी गजानन पटेल द्वारा विस्तार से चर्चा कर एवं इसके निराकरण हेतु कार्यालय स्तर पर सार्थक पहल किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसमें कार्यालय स्तर के पेंशन प्रकरण बनाकर संयुक्त संचालक पेंश कार्यालय ऑनलाईन प्रेषित किये गये प्रकरणों में दर्ज आपत्ति तथा पीपीओ जारी होने के पश्चात जिला कोषालय स्तर पर कार्यालय द्वारा वांछित जानकारी निर्धारित समय में पोर्टल में अपलोड नहीं किये जाने के फ्लस्वरूप लंबित हुए प्रकरणों के तत्काल निराकारण किये जाने पर जोर दिया गया ताकि संबंधित कर्मचारी का शीघ्र पेंशन, उपादान का भुगतान किया जा सके। प्रदेश में पुरानी पेंशन योजना लागू होने के फ्लस्वरूप सीपीएस कर्मचारियों के मृत्यू, अशक्तता के प्रकरण को श्रृङ्खक किये जाने के फ्लस्वरूप लंबित प्रकरणों पर संबंधित आहरण संवितरण अधिकारियों को शीघ्र ही निर्धारित फार्म भर कर कोषालय मे प्रस्तुत किये जाने तथा सेवानिवृत्ति के स्थिति में सरकार के अंशदान व उसके ब्याज की राशि का भाग चालान बनाकर शासन के निर्धारित मद में जमा कर पेंशन प्रकरण का निराकरण किये जाने के निर्देश दिये गये, साथ ही सामान्य भविष्य निधि के ऋणात्मक शेष प्रकरणों के संबंध में संबंधित डीडीओ को यथाशीघ्र निराकृत किये जाने हेतु चर्चा की गई।

राजस्व पट्टा की मांग को लेकर कलेक्टर से मिले नेटापुर,बड़े गोडरे,छोटे गोडरे के ग्रामीण

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के दंतेवाड़ा विकासखंड के ग्राम पंचायत नेटापुर एवं आश्रित ग्राम छोटे गोडरे [कमलापदर] एवं बड़े गोदरे के ग्रामीणजन ग्राम पंचायत नेटापुर के सरपंच जोगाराम मरकाम के नेतृत्व में दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय पहुंचकर जिला कलेक्टर कुणाल दुदावत से मुलाकात कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर जल्द ही राजस्व ग्राम का पट्टा प्रदाय करने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले नेटापुर एवं आश्रित ग्राम छोटे गोडरे कमलापदर एवं बड़े गोडरे वन ग्राम था ।जिसे वर्तमान में राजस्व ग्राम घोषित किया गया है । राजस्व घोषित होने के बाद से दो से तीन बार सर्वे किया गया है परंतु अभी तक ग्रामीणों को राजस्व पट्टा प्रदाय नहीं किया गया है जिससे ग्रामीणों को आय ,जाति, निवास एवं धान की बिक्री में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि कलेक्टर कुणाल दुदावत में जल्द ही उनकी समस्या का निराकरण करने की बात कही है।

भाजपा दंतेवाड़ा के नविन जिला कार्यकारिणी की हुई घोषणा,विधायक चैतराम अटामी व जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता ने दी बधाई

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव , प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय, प्रभारी मंत्री केदार कश्यप,बस्तर सांसद महेश कश्यप,जिला संगठन प्रभारी श्रीनिवास राव मद्दी, विधायक दंतेवाड़ा चैतराम अटामी व दंतेवाड़ा भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता के अनुमोदन से भाजपा दंतेवाड़ा के जिला पदाधिकारियों की घोषणा की गयी है 7 विधायक चैतराम अटामी ने कहा की प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं संगठन महामंत्री पवन साय के मार्गदर्शन में, दंतेवाड़ा जिला भाजपा की नवगठित कार्यकारिणी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। अटामी ने कहा की जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता के नेतृत्व में नियुक्त सभी पदाधिकारियों–महामंत्री, उपाध्यक्ष, मंत्री एवं अन्य सदस्यों के समर्पण और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता से निश्चित ही भाजपा को नई शक्ति प्राप्त होगी और 'विकसित छत्तीसगढ़' के संकल्प को साकार करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ेगा।भाजपा जिलाध्यक्ष दंतेवाड़ा संतोष गुप्ता ने भी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई व शुभकामनाएं दिया । गुप्ता ने कहा की आप सभी के सहयोग एवं नेतृव से पार्टी को नयी ऊर्जा मिलेगी एवं शासन की योजनाओं व संगठन के विचारधारा को जन जन तक पहुँचाने का कार्य बेहतर रूप से संचालित किया जायेगा 7

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तूलिका कर्मा ने महिलाओं पर बढ़ते अपराधों को लेकर जताई चिंता, जिला प्रशासन पर साधा निशाना

- *प्रेस वार्ता में दंतेवाड़ा की हालिया घटनाओं का किया जि , कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी*

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

महिलाओं के प्रति लगातार बढ़ते अपराधों को लेकर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तूलिका कर्मा ने बीते सोमवार को सर्किट हाउस दंतेवाड़ा में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। उन्होंने हाल ही में घटित कुछ गंभीर घटनाओं का हवाला देते हुए जिले में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। प्रेस वार्ता के दौरान तूलिका कर्मा ने कहा कि ÷विगत कुछ दिनों में दंतेवाड़ा जिले में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। कुछ दिन पहले पालनार बाजार में एक महिला के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी गई, वहीं किरंदुल में एक अन्य महिला को दो दिन तक पेड़ से बांध कर रखा गया। ये घटनाएं समाज को झकझोर देने वाली हैं, लेकिन प्रशासन की चुप्पी और निष्क्रियता हैरान करने वाली है।÷उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं के खिलाफ हो रहे इन जघन्य अपराधों के बावजूद जिला प्रशासन और पुलिस मूकदर्शक बने हुए हैं। तूलिका ने कहा कि प्रशासन को चाहिए कि वह त्वरित कार्रवाई करे और दोषियों को कठोरतम सजा दिलाए, वरना जनआक्रोश सड़कों पर दिखाई देगा।उन्होंने आगे कहा कि यह केवल महिलाओं की सुरक्षा का सवाल नहीं है, बल्कि पूरे समाज के सम्मान का प्रश्न है। ÷अगर ऐसे मामलों में न्याय नहीं हुआ तो हम चुप नहीं बैठेंगे। ज़रूरत पड़ी तो हम उग्र आंदोलन करेंगे,÷ उन्होंने चेतावनी दी। प्रेस वार्ता के अंत में तूलिका कर्मा ने प्रशासन से मांग की कि महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए, संवेदनशील क्षेत्रों में पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए, और ऐसे मामलों की निगरानी के लिए विशेष टीम गठित की जाए।

मध्यान्ह भोजन रसोईयों ने उठाई वेतन वृद्धि की मांग, कहा समान कार्य के लिए मिले समान वेतन

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले की शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में मध्यान्ह भोजन योजना के तहत कार्यरत रसोईयों ने कलेक्टर दर पर वेतन देने की मांग को लेकर आवाज़ बुलंद की है। उनका कहना है कि वे विगत कई वर्षों से सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 3 बजे तक नियमित रूप से भोजन पकाने का कार्य कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें मात्र ?2000 मासिक मानदेय दिया जा रहा है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में बेहद अल्प है। रसोईयों का कहना है कि प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी मजदूरी दरों में स्पष्ट उल्लेख होता है कि किसी भी श्रमिक को कलेक्टर दर से कम भुगतान नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में उन्हें भी कलेक्टर दर के अनुरूप पारिश्रमिक दिया जाना न्यायोचित है। संघ ने कलेक्टर महोदय से आग्रह किया है कि उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाए और उन्हें कलेक्टर द्वारा निर्धारित मजदूरी दर के अनुसार वेतन प्रदान किया जाए। मुख्य मांगें जिसमें समान कार्य के लिए समान वेतन उच्च न्यायालय के आदेश का पालन हो। वर्तमान ?2000 मासिक मानदेय को बढ़ाकर कलेक्टर दर के अनुसार भुगतान किया जाए के साथ अन्य कई मागें रही संघ ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

छत्तीसगढ़ में विकास की रफ्तार तेज़ सीसी रोड, आवास, डिजिटल पंचायत और महिलाओं को आर्थिक संबल

मुख्यमंत्री की विकास घोषणाओं से दाढ़ी बनी समृद्धि की नई पहचान – गांव, गरीब और किसान को मिली नई ताकत

छत्तीसगढ़ खुशहाली और समृद्धि की राह पर तेज़ी से अग्रसरः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री ने 20 ग्राम पंचायतों में सीसी रोड निर्माण के लिए प्रति ग्राम ?5-5 लाख की घोषणा, उपमुख्यमंत्री ने दाढ़ी नगर पंचायत कार्यालय भवन हेतु ?1.25 करोड़ की स्वीकृति दी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते सोमवार को नगर पंचायत दाढ़ी में आयोजित भव्य लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बेमेतरा जिले के विकास को नई दिशा देते हुए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, खाद्य मंत्री सह नवागढ़ विधायक दयालदास बघेल, मंत्री महिला बाल विकास लक्ष्मी रजवाड़े, विधायक बेमेतरा दिपेश साहू, राजिम विधायक रोहित साहू, विधायक साजा ईश्वर साहू, अध्यक्ष रजककार विकास बोर्ड प्रहलाद रजक, जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी, नगर पंचायत अध्यक्ष भारती साहू , पूर्व विधान सभा अध्यक्ष गौरी शंकर अग्रवाल, बसना विधायक सम्पत अग्रवाल, साजा पूर्व विधायक लफ़्ज़ंद बाफ़्ना, बेमेतरा पूर्व विधायक अवधेश चंदेल, जिला भाजपा अध्यक्ष अजय साहू, आईजीपी दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग, कलेक्टर रणवीर शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, जिला पंचायत सीईओ टेकचंद अग्रवाल, पूर्व भाजपा अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, ओमप्रकाश जोशी, एवं स्थानीय व जिले के जनप्रतिनिधि जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी/कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं जिले के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य खुशहाल और समृद्ध राज्य बनने की ओर तेज़ी से अग्रसर है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्पों को धरातल पर उतारने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गांव-गांव और आमजन के जीवन में वास्तविक बदलाव के रूप में दिख रहा है। सरकार का उद्देश्य केवल बुनियादी ढांचे का विकास करना नहीं है, बल्कि हर वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचाकर सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूती देना है। मुख्यमंत्री साय ने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर, सुरक्षित और समृद्ध बनाने की दिशा में सरकार ने बीते डेढ़ वर्षों में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जो आने वाले समय में राज्य को मॉडल राज्य के रूप में स्थापित करेंगे।

मुख्यमंत्री का संबोधन: ÷जनता से किए गए हर वादे को निभाया÷–मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य सरकार ने डेढ़ वर्ष के भीतर जनता से किए गए वादों को संकल्पबद्ध होकर पूरा किया है। उन्होंने कहा की हमारी सरकार ने गरीबों के अपने घर के सपने को साकार करते हुए 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी है। धान की खरीद 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। बीते दो वर्षों का बकाया धान बोनस किसानों को प्रदान किया गया है। 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना के माध्यम से हर माह ?1000 देकर आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त किया जा रहा है 7 पंचायतों को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने हेतु अटल सेवा केंद्रों की स्थापना की गई है, जिससे अब गांव में ही डिजिटल सेवाओं का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनहित को सर्वोपरि रखते हुए चहुंमुखी विकास को आधार बनाकर छत्तीसगढ़ को प्रगति के पथ पर अग्रसर कर रही है।

20 ग्राम पंचायतों को सीसी रोड निर्माण हेतु ?5-5 लाख की सौगात–इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनपद पंचायत नवागढ़ के अंतर्गत आने वाली 20 ग्राम पंचायतों में सीसी रोड निर्माण के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत को ?5-5 लाख की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जिले की सभी विकास संभावनाओं को पूरा किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री की घोषणा: दाढ़ी नगर पंचायत भवन के लिए ?1.25 करोड़–कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के कुशल नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने नगर पंचायत दाढ़ी में कार्यालय भवन निर्माण के लिए ?1 करोड़ 25 लाख की स्वीकृति की घोषणा की। उन्होंने राज्य सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, कृषि, सिंचाई, ग्रामीण विकास आदि योजनाओं की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि ÷गांव, गरीब और किसान केंद्र में रखकर योजनाएं बनाई और लागू की जा रही हैं।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा ङ्क ÷जनता का विश्वास ही हमारी ताकत–कार्यक्रम को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की डबल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। यह सरकार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि हर क्षेत्र, हर वर्ग और हर व्यक्ति तक विकास की वास्तविक रोशनी पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा–सभी के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना ही इस सरकार की प्राथमिकता है। आगे कहा कि ईमानदारी और पारदर्शिता से किया गया विकास ही जनता का विश्वास अर्जित करता है, और यह सरकार उसी विश्वास पर खरी उतर रही है। पिछले डेढ़ वर्षों में शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन जिस तत्परता, समर्पण और जवाबदेही के साथ हुआ है, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि विकास की यह यात्रा सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि सुदूर ग्रामीण अंचलों तक पहुंचकर लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का कार्य किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आने वाले समय में देश के अग्रणी और मॉडल राज्यों में गिना जाएगा, और यह डबल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ को एक विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित करने में सफल होगी।

विभिन्न विभागों द्वारा मंच से योजनाओं का लाभ वितरण–मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि, प्रमाण पत्र और सामग्री का वितरण भी किया ।

पीएम आवास योजना में प्रगति लाएं, शिकायत आने पर तत्काल करें कार्यवाही - कलेक्टर

पीएम आवास में प्रत्येक स्तर पर पोर्टल में जियो टैग करने के दिए निर्देश

साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा

स्कूल व आंगनबाड़ी की जर्जर इमारतों पर लिया संज्ञान, मरम्मत करने के दिए निर्देश, जर्जर भवन में संचालित होने पर संबंधित विभाग के अधिकारी होंगे जिम्मेदार

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के गरिमामय आयोजन की तैयारी के संबंध में दिए दिशा-निर्देश

छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जाएगा

कलेक्टर ने एग्रीस्टैक पंजीयन की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने सोमवार को साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में सभी विभागों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्या में किसी प्रकार की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति में तेजी लाई जाए। पीएम आवास अंतर्गत प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से संज्ञान लेकर तत्काल निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिलना चाहिए, और किसी तरह की कोई शिकायत नहीं आना चाहिए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने पीएम आवास पोर्टल में जियो टैग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने यह भी कहा कि यदि किसी भी स्तर पर पीएम आवास योजना से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त होती है, तो उसकी तत्काल जांच कर त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने स्थानीय स्तर पर सतत निगरानी और समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर महोबे ने ऐसे स्कूल या आंगनबाड़ी केंद्र जो पूर्णतः जर्जर हो चुके हैं और जिनकी मरम्मत संभव नहीं है, उन्हें तत्काल उपयोग से बाहर किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है, अतः वैकल्पिक स्थान की शीघ्र व्यवस्था की जाए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही, जो भवन पूरी तरह अनुपयोगी हो चुके हैं, उन्हें विधिवत डिस्मेंटल की प्रक्रिया की जाए। बैठक में पीडब्ल्यूडी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा की और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर देते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने और नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में आगामी 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्य समारोह के गरिमामय आयोजन की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने मंच, परेड एवं रिहर्सल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, आमंत्रण कार्ड, बैठक व्यवस्था, साज-सज्जा, बेरिकेटिंग, विद्युत व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा। इसके साथ ही सभी ऐतिहासिक स्थलों पर साफ-सफाई, सजावट और आवश्यक व्यवस्थाएं करने कहा। इस दौरान उन्होंने प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं शहीद परिवारों को सम्मान सहित आमंत्रित किये जाने के निर्देश दिए। सभी शासकीय भवनों पर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए।

एलआईसी वाले शिक्षक का स्थानांतरण की मांग को लेकर ग्रामीण पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय नगरी

प्रधान पाठक ड्यूटी समय में बेच रहा है एलआईसी का पॉलिसी, शुक्रवार 18 जुलाई को मूक पत्रिका में खबर प्रकाशित होने के बाद शिक्षक नियमित जा रहा था स्कूल ।

अपने बच्चों का भविष्य अंधकारमय होता देख ग्रामीणजन शिक्षक को हटाने की मांग को लेकर पहुंचे शिक्षा अधिकारी के समक्ष

धमतरी /मूक पत्रिका

नगरी विकास खंड अंतर्गत आने वाले ग्राम सिंगनपुर संकुल केंद्र घूरावड में पदस्थ प्रधान पाठक सुरेंद्र ठाकुर से नाराज़, ग्रामीण जन शिकायत लेकर पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय नगरी के समक्ष और नाराज पालको ने लिखित आवेदन पत्र सौंपते हुए अधिकारी को पूरे मामले से ग्रामीणों ने अवगत कराया कि शिक्षक सुरेंद्र ठाकुर अपने निजी कार्य में व्यस्त होने के कारण नियमित रूप से शाला में उपस्थिति नहीं दे पा रहे हैं । साथ ही पालकों को जीवन बीमा पॉलिसी का ग्राहक बनाने की कोशिश कर चुका है। इनका एल आई सी का कार्य पिछले 4-5 वर्षो से चल रह है, इस सत्र में मूक पत्रिका में खबर चलने के कारण उनके निजी कार्य को छोड़कर नियमित शाला आ रहे हैं। पर उनकी नियमितता बस कुछ ही दिनों के लिए है। खंड शिक्षा अधिकारी ने इस बात को गंभीरता से लेते हुए उनके कार्य के निरीक्षण के लिए 2 प्राचार्यों को सौंपा गया हैं। जल्द ही निरीक्षण कर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया है । मुख्यरूप से शिकायत लेकर ग्राम पंचायत सरपंच, मंगिया राम, जहेल सिंग, प्रदीप, नारायण, प्रताप एवं अन्य ग्रामीण और पालकगण गए थे।

भीमाराम में मोबाइल टॉवर का शुभारंभः सुदूर ग्रामीण अंचल को मिली संचार सुविधा की सौगात

बीजापुर /मूक पत्रिका

जिले के थाना उसूर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भीमाराम में लंबे समय से प्रतीक्षित मोबाइल संचार सेवा की शुरुआत हो गई है। छत्तीसगढ़ शासन की ÷नियद नेल्ला नार÷ योजना और भारत सरकार की यूएसओएफ योजना के तहत जिओ का मोबाइल टॉवर प्रारंभ किया गया, जिससे ग्रामीणों को सशक्त संचार सुविधा का लाभ मिलना शुरू हो गया है।भीमाराम के साथ-साथ रामपुर, उतलापल्ली, मलेमपेंटा सहित आसपास के गांवों के लिए यह फायदेमंद साबित होगा। अब इन गांवों के लोग बेहतर मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट कनेक्टिविटी का उपयोग कर सकेंगे।मोबाइल टॉवर की स्थापना से अब छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा, युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, किसानों और व्यापारियों को डिजिटल सेवाओं का उपयोग और प्रशासन को ग्रामीणों से सीधा संवाद जैसे बहुआयामी लाभ मिलेंगे। इसके साथ ही, संचार सुविधा का बेहतर होना सुरक्षा, स्वास्थ्य, आपात सेवाओं और परिवहन जैसे क्षेत्रों में भी कारगर साबित होगा।ऐसे में इस पहल से दूरस्थ अंचलों को देश-दुनिया से जोड़ने का रास्ता खुला है।

एम्बुलेंस के लिए भटकते है लोग और प्रशासन की लापरवाही से ख़डी है दो दो एम्बुलेंस सीएमएचओ ऑफिस मे - नरेन्द्र देवांगन

ख़डी एम्बुलेंस को तत्काल उपयोग मे लाये प्रशासन ताकि जनता को इसका लाभ मिल सके - कांग्रेस

कोंडागांव /मूक पत्रिका

कोंडागांव शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र देवांगन ने सीएमएचओ ऑफिस मे ख़डी एम्बुलेंस को लेकर प्रशासन पर नाराजगी जाहीर करते कहा कि कोंडागांव जिला अस्पताल मे दूर ग्रामीण इलाकों से लोग आकर रिफर की कंडीशन मे एम्बुलेंस के लिए भटकते रहते हैं कई बार 108 उपलब्ध नहीं होने की स्थिति मे व्यवस्था के तहत पुरानी एम्बुलेंस मे 5 हजार 6 हजार का डीजल डलाकर हायर सेंटर जाने को मजबूर होते हैं लेकिन प्रशासन को इससे कोई लेना देना नहीं है इनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है।आखिर ये सुविधा किसके लिए जो दो दो एम्बुलेंस सीएमएचओ कार्यालय मे ख़डे होकर कार्यालय की शोभा बढ़ा रही है क्या ये नए नए एम्बुलेंस सिर्फ दिखावे के लिए है? तत्कालीन विधायक मोहन मरकाम ने जनसुविधा को देखते हुए अपने विधायक निधि से एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की सौगात कोंडागांव जिला अस्पताल को दी थी परन्तु उद्घाटन के बाद से एम्बुलेंस सिर्फ कार्यालय की शोभा बढ़ाने के काम आ रही है जनता को इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है साथ ही रूर्बन मिशन अंतर्गत प्रदत्त एक और एम्बुलेंस वहीं बगल मे ख़डी नजर आती है यानि कहीं न कहीं दो दो एम्बुलेंस प्रशासन की लापरवाही कहें या कमजोरी की वजह से सड़क मे नहीं दौड़ पा रही है सेवा नहीं दे पा रही है। यह दोनों एम्बुलेंस अगर जिला अस्पताल मे मरीजों के लिए है तो कार्यालय मे क्या कर रही है अस्पताल प्रबंधन को स्वास्थ्य विभाग को इन एम्बुलेंस को कैसे उपयोग मे लाया जाये कैसे जनता को इन एम्बुलेंस का लाभ मिल सके इस दिशा मे ध्यान देने की आवश्यकता है,। नरेन्द्र देवांगन ने आगे कहा कि मीडिया के माध्यम से कांग्रेस पार्टी मांग करती है इन एम्बुलेंस को कार्यालय की शोभा बढ़ाने ख़डी न रखकर उपयोग मे लाया जाये ताकि जिस उद्देश्य से शासकीय पैसे का उपयोग किया गया है उसका लाभ आमजनता को मिल सके, इन एम्बुलेंस को सड़क मे उतारने मे जो भी कमी है उस कमी को दूर करने की दिशा मे प्रशासन को कार्य करने की जरूरत है हम सत्ता मे रहें या विपक्ष मे जनता सर्वोपरि है जनता के लिए जो सुविधा है उसे दिलाने के लिए हम लड़ते रहेंगे यह कोई राजनितिक विषय नहीं है जनता के स्वास्थ्यसुविधा की बात है,प्रशासन से उम्मीद है जल्द संज्ञान मे लेकर इस महत्वपूर्ण जन हितैषी कार्य को त्वरित रूप से करेगी।

''आकांक्षा हाट'' का शुभारंभ, स्थानीय उत्पादों को सुदृढ़ मंच देने का एक ओर प्रयास

माँ दंतेश्वरी मेंडका डोबरा परिसर में 28 से 30 जुलाई तक चलेगा आयोजन

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिला प्रशासन एवं नीति आयोग के संयुक्त तत्वावधान में आज माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर स्थित मेंडका डोबरा में तीन दिवसीय ÷आकांक्षा हाट÷ का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष, कलेक्टर कुणाल दुदावत तथा जिला पंचायत सीईओ की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। यह आयोजन नीति आयोग के आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय शिल्पकारों, महिला स्व-सहायता समूहों और उद्यमियों को एक साझा एवं सुदृढ़ मंच प्रदान करता है, जहाँ वे अपने हस्तशिल्प, घरेलू उत्पादों और पारंपरिक सामग्रियों का प्रदर्शन एवं विक्रय कर सकते हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक चैतराम अटामी ने कहा, ÷यह हाट हमारी पारंपरिक विरासत और स्थानीय हुनर को नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।÷ जिला प्रशासन स्थानीय शिल्पकारों, महिला स्व-सहायता समूहों , उद्यमियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को नई ऊंचाइयां देने के लिए प्रतिबद्ध है। तैयार किए गए प्रोडक्ट की मार्केटिंग के लिए जिला प्रशासन द्वारा कार्य योजना तैयार किए जा रहे है। जिससे आगामी समय में इसके विक्रेताओं को सही बाजार मुल्य उपलब्ध होगा। उन्होंने आगे आमजनों से अपील किया कि दिवाली जैसे त्यौहार विशेष में दीदियों द्वारा तैयार किए दीयों का अधिक से अधिक उपयोग करें ताकि उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिले। जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने कहा कि आकांक्षा हाट स्थानीय उत्पादों को बाजार से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रहा है, जिससे रोजगार और स्वावलंबन के अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल स्वास्थ्य, पोषण, और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रही है। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने इस मौके पर अपने वक्तव्य में कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में नीति आयोग के सहयोग से एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ÷यह हाट केवल एक बाजार नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है, जो समावेशी और सतत विकास का वाहक बनेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष जिले में ÷संपूर्णता अभियान÷ के तहत महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य एवं कृषि विभाग से जुड़े छह प्रमुख मानकों में से पांच को पूरी तरह संतृप्त किया गया, और छठे मानक में 90 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई। यह उपलब्धि भारत सरकार व नीति आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त है, और इसके लिए क्षेत्र कार्यकर्ताओं हेतु 31 जुलाई को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस ''आकांक्षा हाट'' के तीन दिवसीय कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर स्थानीय उत्पादों का देखें परखें और उपयोग में लाए। लोगों का प्रतिसाद समूह की महिलाओं का मनोबल बढ़ाएगा और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरणा का काम करेगी। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने हाट में लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता, नवाचार एवं महिलाओं की भागीदारी की सराहना की। इस मौके पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री अरविंद कुजाम, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पंचायत के उप संचालक मिथलेश किसान, एपीओ श्रीमती क्रांति ध्रुव, पीएम फेलोशिप सुश्री दिव्या कुमारी, उपस्थित थे।

ये कैसा सुशासन, 03 वर्ष से माँग के बावजूद, 01 कोटवार नहीं मिल पाया

- *03 वर्ष में 03 कलेक्टर को आवेदन दे चुका हूं आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिला- सरपंच *

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

एक और प्रशासन विकास एवं सुशासन का तंबूरा बजाते हुए नहीं थक रही है वही दूसरी ओर ज़मीनी हकीकत इससे कोसों दूर हैं।जिले का एक ऐसा ग्राम पंचायत है जो लगातार 3 वर्षों से किराए के कोटवार के भरोसे चल रहा है मामला है गीदम विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मुस्तलनार का । यहां के ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा विगत 3 वर्षों से तहसीलदार से लेकर जिला कलेक्टर तक को कई दफे कोटवार नियुक्ति के संबंध में आवेदन दिया जा चुका है लेकिन आज तक ग्राम पंचायत में कोटवार की नियुक्ति नहीं हो पाई है। सरपंच सहित ग्राम वासियों का कहना है कि किसी भी कार्य के लिए हमारे ग्राम में कोटवार नहीं होने से 07 किलोमीटर दूर गुमलनार के कोटवार के ऊपर निर्भर रहना पड़ता है। एक तो मार्ग सही नहीं और बारिश के मौसम में वहां तक पहुंच पाना बहुत मुश्किल है। और वहां जाने पर कभी कोटवार मिल पाता है कभी मिलता ही नहीं। सरपंच मनोज कोर्राम ने बताया कि 2023 से अब तक जनदर्शन में कई दफे आवेदन लगा चुके है ।तहसीलदार महोदय से लेकर कलेक्टर महोदय तक को कई दफे आवेदन स्वयं एवं ग्राम वासियों के साथ आकर प्रस्तुत कर चुका हूं फिर भी आज तक हमारी समस्या दूर नहीं हुई। 03 वर्ष में 03 कलेक्टर महोदय को समस्या से अवगत करा चुका हूं फिर भी हमारे ग्राम में कोटवार नियुक्ति कि समस्या का निदान नहीं हो पाया है। देखना लाजमी होगा कि जिला प्रशासन कब तलक ग्रामीणों की समस्याओं पर गंभीर रूप से ध्यान देती है।

जनकल्याण की दिशा में बड़ा कदम, बेमेतरा को मिली ?10267.87 लाख की सौगात

मुख्यमंत्री ने जिले को दी10267.87 लाख की विकास परियोजनाओं की सौगात

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीते सोमवार को अपने एक दिवसीय बेमेतरा विकासखंड के नगर पंचायत दाढ़ी प्रवास के दौरान जिलेवासियों को ?10267.87 लाख लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कुल 48 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री साय ने ?10267.87 लाख लागत के 48 कार्यों में से 26 कार्यों का भूमिपूजन तथा 22 कार्यों का लोकार्पण कर जिले के समग्र विकास की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में अधोसंरचना, शिक्षा, पेयजल, सड़क, बिजली और अन्य आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री के साथ विभिन्न विभागों के मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

लोक निर्माण विभाग के 12 कार्यों पर ?4188.73 लाख व्यय-लोक निर्माण विभाग, संभाग बेमेतरा के अंतर्गत 11 कार्यों का भूमिपूजन एवं 1 कार्य का लोकार्पण किया गया। इन परियोजनाओं की कुल लागत ?4188.73 लाख रही। यह जिले में अधोसंरचना विकास को गति देगा।

जल संसाधन विभाग की 7 परियोजनाएं: किसानों को मिलेगा लाभ-जल संसाधन विभाग के अंतर्गत ?1946.15 लाख की लागत से 1 कार्य का भूमिपूजन एवं 6 कार्यों का लोकार्पण किया गया। इन परियोजनाओं से जिले में सिंचाई सुविधा सशक्त होगी।

लोक स्वास्थ्य यंत्रिकी सेवाओं को मिलेगा बढ़ावा ?566.79 लाख के 3 कार्यों का लोकार्पण-लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत 3 परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, जिनकी कुल लागत ?566.79 लाख रही। ये कार्य ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ जल आपूर्ति को सुनिश्चित करेंगे।

ग्रामीण यंत्रिकी सेवा में होगा सुधार-जिला बेमेतरा की ग्रामीण यातायात सेवा के अंतर्गत 01 कार्य का भूमिपूजन एवं 01 का लोकार्पण हुआ। इन दोनों कार्यों की संयुक्त लागत ?64.22 लाख रही।

जनपद पंचायत साजा को मिली 9 विकास योजनाएं-जनपद पंचायत साजा के अंतर्गत कुल 9 कार्य (4 भूमिपूजन, 5 लोकार्पण) किए गए, जिनकी कुल लागत ?385.45 लाख रही। इसमें नगर पंचायत साजा के 2 कार्य के 20 लाख रूपये शामिल है 7

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 3 सड़कों का लोकार्पण-बेमेतरा जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ?347.85 लाख लागत के 3 कार्यों का लोकार्पण किया गया। इससे ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी।

नवागढ़ और बेमेतरा जनपद पंचायत को भी मिली परियोजनाएं-जनपद नवागढ़ और बेमेतरा में क्रमश ?220 लाख और ?50 लाख की लागत से कुल 6 कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

सेतु निर्माण कार्यों पर ?2398.40 लाख का निवेश-सेतु निर्माण उपसंभाग कवर्धा के अंतर्गत 1 कार्य का भूमिपूजन एवं 2 कार्यों का लोकार्पण किया गया। इस खंड में कुल ?2398.40 लाख व्यय किए जाएंगे।

दाढ़ी नगर पंचायत में भी हुए विकास कार्य-दाढ़ी नगर पंचायत क्षेत्र में कुल 2 कार्यों का भूमिपूजन किया गया जिनकी लागत ?80.28 लाख रही।

कुल 48 विकास कार्यों की घोषणा: एक नया विकास अध्याय-इस कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री साय ने बेमेतरा जिले को कुल 48 विकास कार्यों की सौगात दी, जिनकी संयुक्त लागत ?10267.87 लाख है। इनमें से 26 कार्यों का भूमिपूजन और 22 कार्यों का लोकार्पण हुआ। यह जिला बेमेतरा के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

संपादकीय

विन विन डील

भारत और ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इससे दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा। अनुमान है कि व्यापार बढ़कर 34 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। भारत और ब्रिटेन के बीच आखिरकार फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो ही गया, जिसका फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका और भी अहम हो जाती है। भारत और ब्रिटेन के बीच पुराने व्यापारिक रिश्तों के बावजूद 2023-24 में केवल 21.34 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ था। अर्थव्यवस्था के आकार को देखते हुए यह आंकड़ा बहुत कम है। माना जा रहा है कि ट्रेड डील से सालाना व्यापार 34 बिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा। दोनों देश साल 2030 तक इसे 120 बिलियन डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचाना चाहते हैं। इस समझौते को लेकर लंबे समय से बातचीत चल रही थी और हाल में इसमें तेजी आई। इसके पीछे एक वजह अमेरिका की टैरिफ नीतियां हैं। डॉनल्ड ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी ने पूरी दुनिया में अनिश्चितता बढ़ा दी है। ऐसे में इस तरह के द्विपक्षीय समझौते से दोनों देशों को इस अनिश्चितता को घटाने और व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी। भारत के लिहाज से यह डील बेहद अहम है। इससे करीब 99त्न निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेंगी। डील से एक बड़ा फायदा होगा टेक्सटाइल्स, लेदर और इलेक्ट्रॉनिक्स को। इनसे मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। अभी ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.8प्रतिशत है, जबकि चीन की 28.8 प्रतिशत। इसी तरह, देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 17प्रतिशत है और सरकार इसे 25प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा। व्यापारिक समझौते के लिए इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है। वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। साल 2014 के बाद से भारत ने मॉरिशस,यूएई, ऑस्ट्रेलिया और ईएफटीए के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया है। यूरोप से बातचीत जारी है, जिसे जल्द से जल्द अंजाम तक पहुंचाया जाना चाहिए। इकॉनमी के मोर्चे पर आने वाली चुनौतियों से निपटने में ऐसी डील सहायक होती हैं। इस बीच, अगर भारत की अमेरिका के साथ अच्छी व्यापार डील होती है तो उससे भी विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर कदम बढ़ेंगे।

मोदी की मालदीव यात्रा से पड़ने वाले असर को देखें तो इस ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब भी मालदीव की रणनीतिक प्राथमिकता है। साथ ही श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश जैसे पड़ोसी भी देख रहे हैं कि भारत बिना धमकाए, बिना ऋणजाल के, सहयोग और स्थिरता का मार्ग प्रस्तुत करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा केवल एक औपचारिक राजकीय दौरा नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की भू-राजनीतिक बिसात पर भारत की चतुर कूटनीति, रणनीतिक धैर्य और नेतृत्व क्षमता का स्पष्ट प्रदर्शन भी है। यह यात्रा इस प्रश्न का उत्तर भी है— कि कैसे भारत ने 'चीन की गोद में जाते' मालदीव को फिर से अपने पक्ष में मोड़ लिया।

मोदी की मालदीव यात्रा से हिंद महासागर में फिर मज़बूत हुई भारत की पकड़, चीन की बेचैनी बढ़ी

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको याद दिला दें कि 2023 में जब मोहम्मद मुइज्ज़ू सत्ता में आए, तो उन्होंने खुलकर 'इंडिया आउट' अभियान का समर्थन किया और भारतीय सैन्य उपस्थिति पर सवाल उठाए। उनकी शुरुआती विदेश यात्राएं भी संकेत दे रही थीं कि मालदीव अब चीन के करीब जा रहा है। लेकिन भारत ने जल्दबाज़ी में कोई कड़ा कदम नहीं उठाया। इसके विपरीत, उसने "Engagement over Escalation" (संवाद, न कि टकराव) की नीति अपनाई। भारत ने रक्षा कर्मियों को तकनीकी विशेषज्ञों से बदला, जिससे मालदीव की 'संप्रभुता' की चिंता को दूर किया गया, लेकिन रणनीतिक उपस्थिति बनाए रखी गई। साथ ही विकास परियोजनाओं को बिना शोर के आगे बढ़ाया गया जिससे आम जनता को भारत की भूमिका का सकारात्मक प्रभाव दिखता रहा। इसके अलावा, आर्थिक मदद जैसे 30 अरब रुपये की ऋण सुविधा, करेंसी स्वैप और ट्रेजरी बिलों से मालदीव की डूबती अर्थव्यवस्था को सहारा दिया गया। साथ ही सांस्कृतिक, राजनीतिक और पार्टी-स्तरीय जुड़ाव को फिर से शुरू किया गया, जिससे भारत और मालदीव के बीच बहुस्तरीय संपर्क बने रहें।

इसके अलावा, 2024-25 में भारत ने नई परियोजनाएं घोषित करने की बजाय पूर्ववर्ती विकास कार्यक्रमों को तेज़ी से पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया। हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट जैसे विशाल निर्माण कार्य इसके उदाहरण हैं। इनका न केवल आर्थिक, बल्कि रणनीतिक महत्व भी है क्योंकि ये चीन समर्थित बंदरगाह-राजनीति के विकल्प प्रस्तुत करते हैं।

देखा जाये तो भारत की नीति में ज़बरदस्त कूटनीतिक परिपक्वता थी। भारत ने मुइज्ज़ू की ओर से उकसाने के बावजूद भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक सोच के साथ अपने कदम आगे बढ़ाये। प्रधानमंत्री मोदी जब मालदीव पहुँचे तो उनके स्वागत के लिए उमड़ी जनता और अगवानी के लिए पहुँचे मुइज्ज़ू की खुशी देखने लायक थी। हम आपको बता दें कि मालदीव जैसे राष्ट्र में यह परंपरा नहीं रही कि राष्ट्रपति स्वयं एयरपोर्ट पर किसी राष्ट्राध्यक्ष की अगवानी करें। मुइज्ज़ू का प्रधानमंत्री मोदी को हवाई अड्डे पर व्यक्तिगत रूप से रिसीव करना कई गहरे संदेश देता है। जैसे- यह 'इंडिया आउट' अभियान से पूरी तरह यू-टर्न है। अब राष्ट्रपति खुद भारत के सर्वोच्च नेता के स्वागत में खड़े हैं। इसके अलावा, मुइज्ज़ू यह दिखाना चाहते हैं कि अब भारत के साथ सहयोग राष्ट्रहित में है। यह संकेत देशवासियों के लिए है कि भारत शत्रु नहीं, सहायक है। यह कूटनीतिक संकेत भी है कि भारत, अब भी मालदीव की विदेश नीति में सर्वोपरि है, चाहे चीन ने कितनी भी कोशिश की हो।

इसके अलावा, मालदीव की राजधानी माले में, भारत की मदद से बने रक्षा मंत्रालय भवन पर प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर प्रदर्शित होना भी अपने आप में महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। यह न केवल भारत की रक्षा सहायता की स्थायित्व को दर्शाता है, बल्कि यह मालदीव की जनता को दिखाता है कि चीन कर्ज देता है लेकिन भारत सुरक्षा और स्थिरता देता है। देखा जाये तो यह भारत की साफ्ट पावर की जीत है, जो किसी भी सैन्य हथियार या बंदरगाह समझौते से अधिक प्रभावशाली साबित हुई है।

मोदी की मालदीव यात्रा से पड़ने वाले असर को देखें तो इसने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब भी मालदीव की रणनीतिक प्राथमिकता है। साथ ही श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश जैसे पड़ोसी भी देख रहे हैं कि भारत बिना धमकाए, बिना ऋणजाल के, सहयोग और स्थिरता का मार्ग प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, मालदीव की भौगोलिक स्थिति हिंद महासागर की व्यापक सामरिक निगरानी के लिए महत्वपूर्ण है। मोदी की यात्रा के बाद भारत की मौजूदगी और वैधता वहाँ स्थिर और वैधानिक हो गई है– यह चीन के लिए एक रणनीतिक अवरोध है।

हम आपको बता दें कि यह पहली बार है जब कोई भारतीय प्रधानमंत्री गैर-एमडीपी सरकार द्वारा आमंत्रित होकर स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर 'मुख्य अतिथि' बना है। यह न केवल आपसी सम्मान का परिचायक है, बल्कि यह भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति की सफलता का भी प्रमाण है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की यह राजकीय यात्रा किसी शासनाध्यक्ष की पहली राजकीय यात्रा भी है, जिसकी मेजबानी राष्ट्रपति मुइज्ज़ू नवंबर 2023 में पदभार ग्रहण करने के बाद से कर रहे हैं। हम आपको यह भी बता दें कि मालदीव में एक परम्परा रही है कि नया राष्ट्रपति बनने वाला व्यक्ति पहला दौरा भारत का करता है लेकिन मुइज्ज़ू ने सबसे पहला दौरा तुर्की का किया था उसके बाद वह संयुक्त अरब अमीरात गये थे। उसके बाद उन्होंने चीन की बहुप्रचारित यात्रा भी की थी लेकिन उन्हें जब दूसरों के कर्ज जाल और भारत की निस्वार्थ मदद के बीच का अंतर समझ आया तो पिछले साल उन्होंने दो बार भारत का दौरा किया था और अब उन्होंने अपने कार्यकाल में किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष को राजकीय यात्रा पर आमंत्रित किया तो वह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

इस तरह देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा एक प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण घटना है। यह यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों में आई खटास के बाद एक 'रीसेट' का संकेत देती है, बल्कि यह दिखाती है कि भारत किस तरह अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों को दीर्घकालिक दृष्टि से संभालता है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा न केवल 60 वर्षों के द्विपक्षीय संबंधों का उत्सव है, बल्कि आने वाले दशकों की दिशा भी तय करती है। भारत और मालदीव के संबंध अब केवल सांस्कृतिक और ऐतिहासिक साझेदारी नहीं हैं– वे समुद्री सुरक्षा, विकास, और क्षेत्रीय संतुलन के मजबूत स्तंभ बनते जा रहे हैं। यह यात्रा एक स्पष्ट संकेत देती है कि भारत, आलोचना से विचलित हुए बिना, अपने पड़ोस में स्थिरता और सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। और यही किसी भी परिपक्व वैश्विक शक्ति की सबसे बड़ी पहचान होती है।
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तीसरा विश्व युद्ध की आशंका क्यों... तैयारी में नाटो देशों की सेनाएं? रिपोर्ट ने बढ़ाया डर

(रिजवान)

रूस की सरकारी मीडिया में नाटो या पश्चिम के संभावित परमाणु हमले की चेतावनी दी गई है। ये रिपोर्ट रूस और पश्चिम के साथ बढ़ते टकराव और तीसरे विश्व युद्ध के खतरे का संकेत हैं।

दुनिया को जल्दी ही विश्व युद्ध जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। खासतौर से रूस के पश्चिम से बढ़ते तनाव ने इस आशंका को बल दिया है।रूसी मीडिया में ऐसी रिपोर्ट आई हैं, जो कहती हैं कि उनके देश पर नाटो या पश्चिम की ओर से परमाणु हथियारों से हमला किया जा सकता है। एक तरफ नाटो देश मिलकर हमला करेंगे तो रूस को भी कुछ बड़ी शक्तियों का साथ इसमें मिल सकता है। ऐसे में यह संघर्ष तीसरे विश्व युद्ध की शक्ल ले सकता है।

ईटी की रिपोर्ट कहती है कि रूसी मीडिया रूस और नाटो देशों के बीच संभावित परमाणु संघर्ष की चेतावनी दे रहा है। क्रेमलिन के करीबी विशेषज्ञ और विश्लेषकों का दावा है कि पश्चिम बड़े संघर्ष की तैयारी कर रहा है। इन रिपोर्ट के जरिए रूसी नागरिकों को नाटो से युद्ध की किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार रहने को कहा जा रहा है।

परमाणु युद्ध की चेतावनी-रूस के कोम्सोमोल्स्काया प्रावदा (केपी) सहित कई सरकार से जुड़े समाचार आउटलेट नाटो के साथ परमाणु युद्ध की चेतावनी दे रहे हैं। इनका दावा है कि ब्रिटेन, यूरोपीय देशों सहित पश्चिम के देश इस दशक के अंत तक बड़े पैमाने पर रूस के खिलाफ युद्ध छेड़ सकते हैं। इन रिपोर्ट में कहा गया है कि यह रूस को विभाजित करने की रणनीति का हिस्सा है, जिसका नतीजा तीसरा विश्व युद्ध हो सकता है।

अमेरिकी सेना यूरोप और अफ्रीका के जनरल क्रिस्टोफर डोनह्यू ने हाल ही में सार्वजनिक रूप से रूस के कैलिनिनग्राद क्षेत्र पर हमले की बात कही है। कैलिनिनग्राद नाटो देशों से घिरा है और रूस के बाकी हिस्सों से अलग है। रूस ने इसका जवाब देते हुए कहा है कि कैलिनिनग्राद को बचाने के लिए वह कुछ भी करेंगे, इसमें परमाणु हथियारों का इस्तेमाल भी शामिल है।

तीसरे विश्व युद्ध की आशंका क्यों? रूसी विशेषज्ञों का दावा है कि हाल ही में नाटो में शामिल हुआ फिनलैंड का क्षेत्र रूस पर हमलों के लिए नाटो का लॉन्च पैड हो सकता है। रूस की एसवीआर खुफिया सेवा ने नाटो पर मोल्दोवा को सैन्य अड्डे में बदलने का आरोप लगाया है। इससे पूर्वी यूरोप में नाटो और रूस के बीच एक और सीधा टकराव पैदा हो सकता है।

सैन्य टिप्पणीकार जिमोव्स्की ने चेतावनी दी है कि सेंट पीटर्सबर्ग या कैलिनिनग्राद पर कोई भी हमला एक व्यापक युद्ध को जन्म देगा। रूसी विशेषज्ञ ही नहीं पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव भी कह चुके हैं कि तीसरे विश्व युद्ध की स्थिति बन गई है। उन्होंने संघर्ष को भड़काने के लिए अमेरिका और यूरोप को जिम्मेदार ठहराया है।

जीवन धारा : अंदर की दुनिया से ही बाहर की दुनिया बनती है... सकारात्मक बनना प्रभावी सूत्र

(ज्योति भास्कर)

कल्पना करें कि आपका अवचेतन मन उपजाऊ मिट्टी है, जो सभी तरह के बीजों की उगने में मदद करेगी, चाहे वे अच्छे हों या बुरे। अगर आप कांटे बोते हैं, तो क्या आपको अंगूर मिल सकते हैं? अगर आप कंटीली झाड़ियां बोते हैं, तो क्या आपको अंजीर की फसल मिल सकती है? हर विचार एक कारण है और हर परिस्थिति एक परिणाम है। इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने विचारों पर नियंत्रण करें। ऐसा करने पर ही इच्छित परिणाम मिल सकते हैं।

इसी समय शांति, खुशी, सही कर्म, सद्भावना और समृद्धि के विचारों के बीज बोना शुरू कर दें। शांति और विश्वास से इन चीजों के बारे में सोचें। अपने चेतन तार्किक मन में इन्हें पूरी तरह स्वीकार करें। इन अद्भुत विचार-बीजों को अपने मस्तिष्क के बगीचे में बोते रहें; आपको बहुत बढ़िया फसल मिलेगी। जब आपका मस्तिष्क सही तरीके से सोचता है, जब आप सच्चाई समझ लेते हैं, जब आपके अवचेतन मन तक पहुंचे विचार सृजनात्मक, सद्भावनापूर्ण और शांतिपूर्ण होते हैं, तो आपके अवचेतन की जादुई कार्यकारी शक्ति प्रतिक्रिया करेगी। यह उस विचार के लिए आवश्यक परिस्थितियों और उचित माहौल का निर्माण कर देगी। अपनी विचार प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने के बाद आप किसी भी समस्या या मुश्किल में अपने अवचेतन मन की शक्तियों का प्रयोग कर सकते हैं। वास्तव में आप जान-बूझकर हुए उस असीमित शक्ति और अटूट नियम के साथ सहयोग कर रहे हैं, जो सभी चीजों पर लागू होता है। अपने चारों तरफ देखें। आप चाहे जहां रहते हों, आपकी सामाजिक स्थिति चाहे जैसी हो, आप देखेंगे कि अधिकांश लोग बाहर की दुनिया में जीते हैं। जबकि, ज्यादा ज्ञानी लोग अपने अंदर की दुनिया में जीते हैं। उन्हें यह एहसास है-जो आपको भी होगा कि अंदर की दुनिया से ही बाहर की दुनिया उत्पन्न होती है। आपके विचार, भावनाएं और सपने आपके अनुभव के जनक हैं। आंतरिक मन ही एकमात्र रचनात्मक शक्ति है। बाह्य संसार में आपको जितनी भी चीजें मिलती हैं, वे सभी मन के अंदरूनी संसार की उपज हैं, चाहे आपने यह काम सचेतन रूप से किया हो या अचेतन रूप से। जब आप अपने चेतन और अवचेतन मन की आपसी कार्यविधि के बारे में सच्चाई जान लेंगे, तो अपने जीवन की कायापलट करने में कामयाब हो जाएंगे।

मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ संघ प्रमुख का सार्थक संवाद

कृष्णमोहन झा

अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख डॉ उमर अहमद इलियासी की पहल पर गत दिवस न ई दिल्ली के हरियाणा भवन में आयोजित एक बैठक में देश के लगभग 60 प्रमुख इमाम,मुफ्ती एवं मुस्लिम समाज के बुद्धिजीवियों का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत , सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी डा कृष्ण गोपाल, रामलाल और इंद्रेश कुमार के साथ लगभग साढ़े तीन घंटे तक राष्ट्र हित से जुड़े मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। इस अनूठे संवाद कार्यक्रम में चर्चा का मुख्य विषय यह था कि देश हित में सब एक जुट होकर कैसे काम कर सकते हैं। इस संवाद कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने इलियासी के विशेष आग्रह पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई एवं अपने महत्वपूर्ण विचार रखे। संघ प्रमुख ने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर सभी प्रतिनिधियों के विचारों को गंभीरता से सुना और इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर मिलजुलकर समाधान निकालना चाहिए जिसका सभी ने समर्थन किया। संघ प्रमुख ने इलियासी ?की इस राय से सहमति व्यक्त की कि मंदिर - मस्जिद , इमाम और पुजारी तथा गुरुकुल और मदरसे बी च संवाद होते रहना चाहिए। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने इस संवाद कार्यक्रम को संघ की सभी वर्गों के साथ व्यापक संवाद प्रकिया का हिस्सा बताया तो अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख डा इलियासी ने कहा कि संवाद ही सभी समस्याओं का एक मात्र समाधान है। उन्होंने कहा कि आपसी गलतफहमियां दूर कर आपसी तालमेल और भरोसा कायम करने में इस तरह के संवाद की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इलियासी ने कहा कि यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी साल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण हो रहे हैं और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भी अपनी स्थापना के 50 वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख ने आपसी तालमेल बढ़ाने बढ़ाने के लिए संवाद चैनल स्थापित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। लखनऊ से टीले वाली मस्जिद के इमाम सैयद फजलुल मन्नान रहमानी ने इस संवाद कार्यक्रम को राष्ट्र हित में उपयोगी बताते हुए कहा कि सद्भाव और सौहार्द्र पूर्ण माहौल में संघ प्रमुख ने सभी के विचारों को जिस तरह धैर्य के साथ गंभीरतापूर्वक सुना उसके लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत प्रशंसा के हकदार हैं। फजलुल मन्नान रहमानी मानते हैं कि समय समय पर इस तरह के संवाद कार्यक्रम हर राज्य में आयोजित किए जाएं तो उसके सकारात्मक नतीजे सामने आएंगे। मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलाधिपति फिरोज अहमद बख्त ने संघ को ऐसे चेहरे सामने लाने का सुझाव दिया जो मुस्लिम समाज की प्रगति के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

कुल मिलाकर यह एक सौहार्द्र पूर्ण संवाद था जिसमें दोनों पक्षों की ओर से बिना किसी पूर्वाग्रह के अपने विचारों को खुलकर सामने रखा गया । इसमें दो राय नहीं हो सकती कि संघ प्रमुख ने विगत वर्षों में मुस्लिम धर्मगुरुओं और बुद्धिजीवियों के साथ जो मुलाकातें की हैं वे सभी सार्थक रही हैं और उनके सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने से बातचीत का यह सिलसिला निरंतर जारी है। अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख डॉ उमर इलियासी की पहल पर हुई इस मुलाकात ने दोनों पक्षों के जारी बातचीत के सिलसिले को नयी दिशा दी है । संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा बैठक में व्यक्त विचारों पर जिस मुस्लिम धर्मगुरुओं और बुद्धिजीवियों ने संतोष व्यक्त किया है उसने साम्प्रदायिक सौहार्द्र के नये युग की शुरुआत के संकेत दिए हैं।

संस्कार - परिवार की नींव

संस्कार रहित समाज निष्प्राण है,ठीक उसी प्रकार दंड समाज को संस्कारवान बनाता है। वेदों में तो कहा भी गया है कि अपराधी यदि दंड से बच जाता है तो यह समाज के भविष्य के लिए घातक होता है, इसलिए अपराधी के लिए दंड विधान एक अनिवार्य आवश्यकता है,जो समाज को बल प्रदान करता है।

आज व्यक्ति दिखावे की दुनिया में भटक कर लोगों को यह दिखाना चाहता है कि वह बहुत खुश हैं, लेकिन उसका अंतस सदेव उसके बुरे कर्मों को ता-उम्र अहसास कराता रहता है कि वह क्या है, परिवार में उसकी भूमिका क्या है।

हां,यहां मां की भूमिका भी बहुत

अहम होती है , जो एकाधिक बच्चों के बीच किसी एक की गलतियों को सदेव दरकिनार कर उसे छुपाती रहती है,और शेष को भावनात्मक दबाव में लेकर उन्हें भी अपने वश में कर बुरे व्यक्तित्व का साथ निभाने को विवश करती है,

जिससे परिवार में संस्कार हीनता को बढ़ावा मिलता है,

दबाव में आए व्यक्ति का अंतर्मन भी सदेव उसे कचोटता रहता है कि समय रहते वह उसका विरोध क्यों नही कर पाया... तभी तो कहते हैं - अब पछताए का होत है जब चिड़िया चुग गई खेत ...?*

संस्कार समाज की रीढ़ को बल देता है,तो दूसरी और एक संस्कार विहीन परिवार की अगली पीढ़ी उसका खामियाजा भुगतती है,ऐसी कुसंगतियां जिसे उसके परिवार में सामान्य करार दिया था,उसे अगली पीढ़ी बहुत आसानी से लेती है और यही धारणा बड़ी और अमर्यादित कुसंगतियों को जन्म देती है।

फलतः गलतियों को दंड देना बदला नहीं एक सामाजिक व्यवस्था माना जाए जिससे समाज, परिवार संस्कार की जड़ों को मजबूती प्रदान कर सकती है।

संस्कार ही धर्म को बल देते हैं और कुसंस्कार धर्म को खोखला करते हैं। जीवन की सफलता तभी है जब हम अपने अंतर्मन से खुश हो,दिखावे के लिए नहीं।

इसीलिए तो कहते हैं स्वर्ग -नर्क आसमान की ऊंचाई निर्धारित नहीं करती, बल्कि यह धरती ही इंसान के कर्मों की तुला को प्रभावित करती है। आओ हम सब मिलकर अपने परिवार, समाज और देश को एक सही दिशा देने के लिए अपना शत-प्रतिशत योगदान दें। फिर मिलते हैं ... राम राम।।

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर, इन्दौर (म.प्र.)

ग्रामीण विद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता की अनुकरणीय पहल

बीजापुर /मूक पत्रिका

जिले के कोयाईटपाल ग्राम में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत एक विशेष स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एसबीआई फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित एसबीआई संजीवनी क्लिनिक ऑन व्हील्स एवं शिखर युवा मंच, बिलासपुर की टीम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य स्कूली बच्चों और किशोरी बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा और मासिक धर्म संबंधी जागरूकता प्रदान करना था। कार्यक्रम में एसबीआई संजीवनी की टीम ने बच्चों को हाथ धोने की सही विधि का प्रदर्शन किया, जिसमें साबुन लगाना, उंगलियों के बीच सफाई, नाखूनों की सफाई जैसी बातें शामिल थीं। बच्चों ने उत्साहपूर्वक इस प्रक्रिया को सीखा और दोहराया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता किट वितरित की गई, जिसमें ब्रश, कोलगेट, साबुन और जीभी शामिल थे, ताकि वे इन स्वच्छ आदतों को अपनी दिनचर्या में अपना सकें। विद्यालय परिसर में किशोरी बालिकाओं के लिए एक विशेष सत्र आयोजित किया गया जिसमें माहवारी को लेकर जागरूकता दी गई। बालिकाओं को बताया गया कि माहवारी एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है जिससे घबराने या शर्माने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें यह भी समझाया गया कि इस अवधि में स्वच्छता कैसे बनाए रखें, कितनी बार सैनिटरी पैड बदलें और संक्रमण से कैसे बचें। कार्यक्रम में उपस्थित डॉक्टरों एवं स्टाफने बालिकाओं के सवालों का सहज एवं सहानुभूतिपूर्ण उत्तर दिया। इस सत्र के अंत में सभी बालिकाओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड वितरित किए गए।कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्रधानपाठक एन.के. कश्यप, कामेश्वर डब्बा और संजीता पुजारी ने एसबीआई फाउंडेशन, शिखर युवा मंच और एसबीआई संजीवनी टीम के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति व्यवहारिक समझ विकसित करते हैं और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

रेत निकालने खोद डाली पुल की नींव, धंसने की कगार पर हाराडुला पुल
ग्रामीणों की आवाजाही पर प्रशासन ने लगाई अस्थाई रुप से रोक

कांकेर/मूक पत्रिका

जिले के चारामा विकासखंड के ग्राम हाराडुला व सराधू नवागांव के बीच महानदी कगार पर है। जो कि वहां पर से गुजरने वाले ग्रामीणों के लिये बेहद जोखिम भरा साबित हो सकता है। सोमवार को कुछ ग्रामीणो ने वहां से गुजरते समय पुलिया के धंसकने का अंदाजा लगाया। जिसके बाद पुलिया के आसपास उसे देखने वाले लोगों की भींड़ जमा होने लगी । हाराडुला पुलिया के धंसने की खबर स्थानीय प्रशासन को भी दी गई। जिसके बाद अधिकारी उक्त स्थल पर पहुंचे और पुल के उपर से लोगों के आवागमन पर तत्काल रोक लगा दी । ग्रामीणों ने नान न छापने के शर्त पर बताया कि अभी महानदी में पानी बह रहा है। लेकिन मानसून के शुरुवात होने के बाद भी यहां पर महानदी के दोनों ओर रेत की रातभर धड़ल्ले से खुदाई होती रही है और रेत माफ्याओं ने पुलिया की नींव तक को खोद कर लगातार रेत का खनन करते रहे हैं। ऐसा नही है कि इस बात की जानकारी प्रशासन को नही है । बल्कि कई कई बार इस अवैध रेत उत्खनन के संबंध में प्रशासन को मौखिक रुप से अवगत कराया गया है। जिसके वाद भी प्रशासन की ओर से इस पर रोक लगाने कोई भी प्रयास नहीं किया गया । जिसके बाद रेत से भरी सैकड़ों की संख्या मे हाईवा ट्रक जैसे भारी वाहनों की प्रतिदिन आवाजाही इस पुल के उपर से लगातार होती रही। एक तरफपुल की नींव की रेत माफ्याओं के द्वारा खुदाई करना और दुसरी ओर भारी वाहनो का पुल के उपर से गुजरना इन दोनों ही कारणों को पुल के धंसकने की मुख्य वजह माना जा रहा है। अब देखना यह है कि प्रशासन के द्वारा इस क्षतिग्रस्त पुल को तत्काल दुरुस्त कराने किस तरह के प्रयास किये जाते हैं । ताकि कई कई गांवों को जोड़ने वाली इस पुलिया को समय पर मरम्मत किया जा सके और ग्रामीणों को हो रही असुविधा से निजात दिलाई जा सके ।

मिलावटी एवं नकली खाद्य सामाग्रियों के विक्रय रोकने की गई जांच

मुंगेली/मूक पत्रिका

जिले में आगामी त्यौहारों के दौरान खाद्य सामाग्रियों में मिलावट एवं नकली खाद्य सामाग्रियों के विक्रय पर रोक लगाने कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार खाद्य दुकानों की लगातार जांच की जा रही है। इसी कड़ी में एसडीएम पथरिया अजय शतरंज सहित औषधि प्रशासन तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा नगर पंचायत पथरिया के विभिन्न खाद्य दुकानों जैसे मोहन हॉटल, छाबड़ा स्वीट्स एण्ड नमकीन, फर्म जय न्यू लक्ष्मी जोधपुरी स्वीट्स एण्ड नमकीन और शिवम किराना एण्ड जनरल स्टोर्स का निरीक्षण एवं जांच की गई। इस दौरान खाद्य सामाग्री की गुणवत्ता जांच हेतु 500 ग्राम लड्डू, 250 ग्राम मिल्क केक, 500 ग्राम लूज मोतीचूर लड्डू, 600 ग्राम पैक्ड स्पेशल स्वीट्स का नमूना लेकर उन्हें जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर भेजा गया है। कार्यवाही के दौरान खाद्य सामग्री की गुणवत्ता जांची गई एवं खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत आवश्यक निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजीत बघेल, पथरिया थाना के सहायक उपनिरीक्षक नरेंद्र कुमार साहू सहित पुलिस बल भी मौजूद रहा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारी के लिए यादव समाज की बैठक संपन्न

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

चांपा में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है, इसके लिए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव आयोजन समिति, चाम्पा की बैठक यादव भवन, बरपाली चाम्पा में संपन्न हुई। बैठक में महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों की रुपरेखा तय की गई।

उक्त बैठक में निर्णय लिया गया कि 14 अगस्त को यादव समाज की विशाल बाइक रैली चाम्पा नगर में भ्रमण करेगी, जो जांजगीर के कचहरी चौक में समापन के साथ समाप्त होगी। तथा 15 अगस्त को गांधी भवन चाम्पा में पारंपरिक रूप से मटका सज्जा, झूला सज्जा एवं श्री राधा-कृष्ण रूप सज्जा जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उसी तरह 16 अगस्त को जांजगीर में भव्य शोभायात्रा एवं विभिन्न मंचीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होंगे। बैठक में यादव समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति रही जिसमें एल.पी. अहीर, टीकम यादव, राजेश अहीर, आशुतोष गोपाल, विनोद गोपाल, सुदेश अहीर, जीवन यादव, सुभाष चंद्र यादव, विद्याभूषण गोपाल, पार्षद विष्णु यादव, एस.पी. छोटू यादव, गौतम यादव, अजय यादव, सोनू यादव, विनोद कुमार यादव, शिवनारायण यादव एवं हेमंत यादव इत्यादि सदस्य सम्मिलित हुए।

पण्डोनगर में पण्डो समाज का आक्रोश फूटा: नौकरी और सड़क चौड़ीकरण की मांग, आंदोलन की चेतावनी

सूरजपुर/मूक पत्रिका

पण्डो जनजाति बाहुल्य क्षेत्र पण्डोनगर में वर्षों से उपेक्षा का शिकार हो रहे ग्रामीणों का आक्रोश अब फूट पड़ा है। जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्टर सूरजपुर को ज्ञापन सौंपते हुए बेयर हाऊस गोदाम में स्थानीय लोगों को नौकरी देने और पण्डोनगर से पहाड़गांव तक की जर्जर सड़क के चौड़ीकरण की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों का कहना है कि पण्डोनगर में स्थित बेयर हाऊस गोदाम की जमीन पहले उनके कब्जे में थी, लेकिन प्रशासनिक दबाव में रोजगार का आश्वासन देकर उनसे जमीन खाली करवाई गई। इसके बावजूद पण्डो समाज के किसी भी व्यक्ति को गोदाम में रोजगार नहीं मिला, जबकि बाहरी लोगों को काम पर रख लिया गया। पण्डो समाज, जो कि राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र के रूप में मान्यता प्राप्त अति पिछड़ा आदिवासी वर्ग है, आज भी रोजगार से वंचित है।इसके अतिरिक्त, ग्रामीणों ने पण्डोनगर और पहाड़गांव के बीच स्थित सड़क की बदहाली को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि यह मार्ग सिंगल लेन है और भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण सड़क की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। परिणामस्वरूप आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और ग्रामीणों की जान जोखिम में पड़ गई है। ग्रामीणों की स्पष्ट मांग है कि सड़क का तत्काल चौड़ीकरण किया जाए ताकि आवागमन सुरक्षित और सुगम हो सके।

जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव ने कहा-यह पण्डो समाज के साथ घोर अन्याय है। जिनकी जमीन ली गई, उन्हें नौकरी तक नहीं दी गई। सड़क की स्थिति भी अत्यंत दयनीय है। यदि प्रशासन ने शीघ्र समाधान नहीं किया, तो पण्डो समाज को आंदोलन का रास्ता अपनाना ही पड़ेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और उन्होंने एक स्वर में प्रशासन से त्वरित निर्णय लेने की मांग की। ग्रामीणों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अब यदि उनकी आवाज नहीं सुनी गई, तो वे चुप नहीं बैठेंगे।

अब प्रशासन की अगली चाल पर टिकी निगाहें-पण्डो समाज के आक्रोश और उनकी वाजिब मांगों को लेकर अब सूरजपुर जिला प्रशासन पर सभी की निगाहें टिकी हैं। सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर ठोस कदम उठाएगा या फिर पण्डो समाज को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा, इसका जवाब आने वाला वक्त देगा।

मोटर साइकिल चोरी करने वाले 04 आरोपियों को किया गिरफ्तार, आरोपीयो के कब्जे से चोरी के 04 नग मो0सा0 बरामद

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

मामले में।चोरी के अपराध को गंभीरता से लेते हुए, आरोपियों को गिरफ्तार कर, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। आरोपी (01) रवि निर्मलकर उम्र 21 वर्ष निवासी वार्ड नं0 14 सब्जी मंडी अकलतरा (02)निकेश निषाद उम्र वर्ष 20 निवासी नायक टांड सब्जी मंडी रोड अकलतरा (03) सुमित सतनामी उम्र 20 वर्ष निवासी वार्ड 05 जैतखम्भा अकलतरा (04) मुकेश चौबे उम्र 23 वर्ष निवासी सिचाई कांलोनी अकलतरा द्वारा प्रार्थी चंद्र कुमार पटेल निवासी पचरी दल्हा के मो0सा0 एचएफडीलक्स को दिनांक 15/07/25 की रात्रि में उसके घर के अंदर बाउंड्री से चोरी कर ले गया है, जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 343/2025 धारा 331(4),305(ए) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

थाना क्षेत्र में मो0सा0 चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में थाना स्तर पर टीम गठीत कर एंव सायबर सेल जांजगीर के सहयोग से आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर मेमोरण्डम कथन में बताया ?कि -बिलासपुर मंगला चौक से- 1. पैशन प्रो सीजी 10 एबी 7613, कोरबा से 2. मो0सा0 क्रं.सीजी 12 बीजी 4734 एवं पचरी दल्हा से 3. मो0सा0 डीलक्स सीजी 11 एआर 4899 4. मो. सा. छत्त 11श्व 0218 जिसको घटना

समाज सेविका लता व सँगीत कला प्रेमी कलाकार लाईन इँस्पेक्टर बँशी मारकण्डे हुए सम्मानित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शास. नत्थूजी जगताप न. पा. नि. उ. मा. विद्यालय धमतरी के कक्ष में 27 जुलाई को समता साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ राज्य की विनम्र काव्यांजली डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की सुनहरी यादें प्रादेशिक सम्यक प्रबोधन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. श्रीमती सुनिता पँद्रो म. प्र. भोपाल, विशिष्ट अतिथि अँतर्राष्ट्रीय सुफी गायक सुरेश ठाकुर रायपुर, बिशालसिंह धुर्वे नेशनल अवार्ड प्राप्त कलाकार कवि बालोद, महेंद्र दास मानिकपुरी, भजन गायक दुकालु यादव व सुशीला देवी बाल्मीकि सँरक्षक, तथा प्रदेशाध्क्ष जी. आर. बँजारे ज्वाला मँच पर विराजमान रहे।इस अवसर पर देश के पूर्व महामहिम राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जी को याद करते हुए उपस्थित कवियों ने काव्य पाठ व नमन कर श्रद्धांजलि दी । वहीं प्रदेश के उत्कृष्ट चालीस विभूतियों को विभिन्न क्षेत्रों हेतु अवार्ड 2025 राज्य अलँकरण से अलँकृत किया गया है। जिसमें बेमेतरा जिला से ग्राम सुरकी हेमाबँद निवासी लता बाई मारकण्डे को समाज सेवा के क्षेत्र में मिनी माता सम्मान से अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। व बाबा साहब डा.भीम राव अँबेडकर स्वाभिमान अवार्ड 2025 बँशी लाल मारकण्डे सेवानिवृत लाईन इँस्पेक्टर ग्राम सुरकी हेमाबँद को राज्य अलँकरण प्रदान कर अलँकृत किया गया है। इस अवसर पर सचिव प्रेम सायमन, लक्ष्मी डहरिया, राजमहँत कुँवर दास डहरिया, डा. गोकुल बँजारे चँदन सहित प्रदेश के कवि साहित्यकार, कलाकार, गायक, वादक व अन्य प्रतिभा वान लोग उपस्थित रहे।

जिले में 01 जून से अब तक 638.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज

मुंगेली/मूक पत्रिका

जिले में इस वर्ष मॉनसून सत्र के दौरान 01 जून से अब तक औसतन 638.7 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले की विभिन्न तहसीलों में निम्नानुसार वर्षा दर्ज की गई है:

मुंगेली तहसील : 541.0 मिमी
पथरिया तहसील : 618.1 मिमी
लोरमी तहसील : 731.5 मिमी
लालपुर थाना तहसील : 622.4 मिमी
जरहागांव तहसील : 691.0 मिमी
सरगांव तहसील : 628.4 मिमी

इस प्रकार जिले में अब तक कुल 3832.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है, जिससे औसतन 638.7 मिमी वर्षा का आंकड़ा प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री के भ्रमण के बाद बिजराकछार में आवेदन निराकरण विशेष शिविर आयोजित, हितग्राहियों को राशन, पेंशन सहित विभिन्न योजनाओं का दिया गया लाभ

सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का शिविर के माध्यम से हुआ त्वरित निराकरण

मुंगेली/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जिले में जनसमस्याओं के निराकरण के लिए सुशासन तिहार अंतर्गत 08 अप्रैल से 31 मई तक तीन चरणों में समाधान शिविर का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री साय स्वयं 19 मई को ग्राम बिजराकछार में आयोजित शिविर में शामिल होकर आमजनों से रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनी थी। इस दौरान प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु बीते सोमवार को लोरमी विकासखण्ड के सुदूर वनांचल ग्राम बिजराकछार में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ की गई। कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने शिविर स्थल का निरीक्षण कर ग्रामीणों से संवाद किया और योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। कार्यक्रम में हितग्राहियों को राशन, पेंशन, किसान सम्मान निधि सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया, इनमें समाज कल्याण विभाग द्वारा 03 हितग्राहियों को पेंशन प्रमाण, खाद्य विभाग द्वारा 09 हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरण, 13 किसानों को अरहर बीज वितरण तथा शौचालय निर्माण की स्वीकृति के साथ ही गॉव में मनरेगा अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर दवाई और आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया।

कलेक्टर ने बिजराकछार के ग्रामीणों को सौर ऊर्जा एवं बैटरी उपलब्ध कराने दिए निर्देश- कलेक्टर ने बिजराकछार के ग्रामीणों को सौर सुजला योजना, सोलर होम लाइट और सोलर पम्प की सुविधाएं प्रदान करने के लिए निर्देशित किया और बिजराकछार में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तत्काल बैटरी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि क्रेड़ा की योजनाओं में डीएमएफ से जल्द स्वीकृति दिलाकर सौर ऊर्जा से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने सड़क की समस्या को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेते हुए तत्काल क्रेड़ा विभाग को निर्देश दिए। साथ ही विद्युत विभाग को खुले तारों को दुरुस्त कर सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देशित किया। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर बिजरा कछार में बैटरी स्थापना कार्य में अनावश्यक विलंब पर एसडीएम एवं जनपद सीईओ पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने जनपद सीईओ को नोटिस जारी कर हटाने सुधार एवं मरम्मत कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मुद्रा लोन में हितग्राहियों को लाभान्वित नहीं करने पर एलडीएम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि शिक्षा सबसे बड़ी पूंजी है और आज के तकनीकी युग में शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों को अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने प्रेरित किया। कलेक्टर ने एटीआर में आयुष्मान कार्ड वितरण, एफआरएस पंजीयन जैसे कार्यों पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने शिक्षा विभाग को छात्रावास निर्माण के लिए भूमि चिन्हांकन एवं स्वास्थ्य विभाग को खुड़िया में सीएचसी निर्माण हेतु स्थल चिन्हांकन करने के साथ ही डीएमएफ मद से स्वास्थ्य सुविधाओं हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने तीरंदाजी प्रशिक्षण के लिए व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उपमुख्यमंत्री अरूण साव द्वारा सुशासन तिहार अंतर्गत दो माह पूर्व किए गए संवाद के आधार पर 340 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से अधिकतर आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण इस शिविर में किया गया है। उन्होंने बताया कि पंचायत विभाग के माध्यम से बिजराकछार में ही 460 से अधिक आवास स्वीकृत किए गए हैं। पेयजल समस्या के समाधान हेतु 10 बोर खनन कर जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। युक्तियुक्तकरण के तहत 27 शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। मौहामाचा प्राथमिक स्कूल के उन्नयन के लिए स्वीकृति दी गई एवं बिजराकछार में 60 लाख रूपए की लागत से एमपीसी भवन निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। नागरिकों को अपनी समस्याएं दर्ज कराने के लिए अवसर देते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी ग्रामीण अपनी मांगों एवं समस्याओं के संबंध में आज भी आवेदन दे सकता है। कार्यक्रम में उपसरपंच मोतीलाल बैगा ने शासन की योजनाओं और सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्रशासन का आभार जताया। इस दौरान लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

तपोभूमि गिरौधपुरी धाम में सतनामी समाज के आराध्य गुरु घासीदास बाबा के पावन स्थल पर गुरु खुशवंत साहेब ने किए दर्शन एवं वृक्षारोपण

मूक पत्रिका/ गिरौधपुरी/ बलौदाबाजार/ आरंग/रायपुर । सतनामी समाज की आस्था के प्रमुख केन्द्र तपोभूमि गिरौधपुरी धाम में बीते सोमवार को छत्तीसगढ़ शासन के अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, आरंग विधायक एवं सतनामी समाज के श्रद्धेय गुरु गुरु खुशवंत साहेब जी के नेतृत्व में एक विशेष धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गुरु खुशवंत साहेब जी ने जनप्रतिनिधियों, अखिल भारतीय सतनाम सेना एवं सामाजिक पदाधिकारी,भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुजनों के साथ मिलकर मुख्य मंदिर, छातापहाड़, चरणकुंड, अमृतकुंड ,एवं पंचकुंडीय, गुरुगद्दी में मत्था टेककर दर्शन पूजन कर समस्त मानव समाज की सुख-समृद्धि, शांति और सामाजिक समरसता की प्रार्थना की।

दर्शन पश्चात, ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के तहत गिरौधपुरी धाम के मुख्य द्वार के पास 350 पौधे रोपे गए। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया। गिरौधपुरी धाम हरियाली का प्रतीक बनेगा और लोगों को वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित करेगा।

कार्यक्रम उपरांत, गिरौधपुरी धाम के विश्राम गृह में सामाजिकजन एवं जनप्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श करते हुए गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा कि ÷गिरौधपुरी केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, समरसता और सेवा का जीवंत प्रतीक है। जिसको देखते हुए कहा कि यहां आने वाले प्रत्येक श्रद्धालुओं की हमारी जिम्मेदारी है कि उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी न हो..आने वाले दिनों में यहां सेंड निर्माण, भवनलाइट, इत्यादि की व्यवस्था होगी। और जिस जिस चीजों की आवश्यकता यहां होगी उसे हम सरकार के साथ मिलकर पूरा कराएंगे मै विश्वास दिलाता हूं

इस अवसर पर अखिल भारतीय सतनाम सेना के पदाधिकारी,समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि ,वन विभाग के अधिकारी, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारीगण, महिला-पुरुष श्रद्धालु एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण के लिए कार्यशाला आयोजित

रायपुर/मूक पत्रिका

राजधानी में पेंशन के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देशन में बीते सोमवार को गजानन पटेल, वरिष्ठ कोषालय अधिकारी, जिला कोषालय रायपुर द्वारा रेडक्रॉस सभा कक्ष कलेक्ट्रेट परिसर में कार्यशाल आयोजित किया गया । जिसमें जिला कोषालय रायपुर के अंतर्गत आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को उनके कार्यालय स्तर पर आपत्ति युक्त लंबित पेंशन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण किये जाने हेतु संभागीय संयुक्त संचालक, कोष, लेखा एवं पेंशन रायपुर महेश साकल्ले एवं वरिष्ठ कोषालय अधिकारी गजानन पटेल द्वारा विस्तार से चर्चा कर एवं इसके निराकरण हेतु कार्यालय स्तर पर सार्थक पहल किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसमें कार्यालय स्तर के पेंशन प्रकरण बनाकर संयुक्त संचालक पेंश कार्यालय ऑनलाईन प्रेषित किये गये प्रकरणों में दर्ज आपत्ति तथा पीपीओ जारी होने के पश्चात जिला कोषालय स्तर पर कार्यालय द्वारा वांछित जानकारी निर्धारित समय में पोर्टल में अपलोड नहीं किये जाने के फ्लस्वरूप लंबित हुए प्रकरणों के तत्काल निराकारण किये जाने पर जोर दिया गया ताकि संबंधित कर्मचारी का शीघ्र पेंशन, उपादान का भुगतान किया जा सके।

प्रदेश में पुरानी पेंशन योजना लागू होने के फ्लस्वरूप सीपीएस कर्मचारियों के मृत्यू, अशक्तता के प्रकरण को श्वङ्कक्र किये जाने के फ्लस्वरूप लंबित प्रकरणों पर संबंधित आहरण संवितरण अधिकारियों को शीघ्र ही निर्धारित फार्म भर कर कोषालय मे प्रस्तुत किये जाने तथा सेवानिवृत्ति के स्थिति में सरकार के अंशदान व उसके ब्याज की राशि का भाग चालान बनाकर शासन के निर्धारित मद में जमा कर पेंशन प्रकरण का निराकरण किये जाने के निर्देश दिये गये, साथ ही सामान्य भविष्य निधि के ऋृणात्मक शेष प्रकरणों के संबंध में संबंधित डीडीओ को यथाशीघ्र निराकृत किये जाने हेतु चर्चा की गई।

हरियर मुंगेली अभियान का तीसरा चरण तसील कार्यालय में सम्पन्न, एसडीएम ने युवाओं के हरित योगदान को सराहा

मुंगेली/मूक पत्रिका

पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के उद्देश्य से ÷स्टार्स ऑफ टुमॉरो वेलफेयर सोसायटी÷ द्वारा विगत 9 वर्षों से सतत रूप से संचालित ÷हरियर मुंगेली - सुघ्घर मुंगेली÷ अभियान के तृतीय चरण का आयोजन तसील कार्यालय, मुंगेली में किया गया। इस अवसर पर पीपल, नीम, कदम, बादाम सहित कुल 26 पौधों का रोपण किया गया तथा उनकी सुरक्षा हेतु ट्री गार्ड भी लगाए गए।

इस हरित अभियान में मुख्य रूप से उपस्थित एसडीएम पार्वती पटेल ने संस्था की पहल की सराहना करते हुए कहा आज जब पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है और मौसम चक्र में लगातार असामान्य परिवर्तन देखे जा रहे हैं, तब ऐसे समय में युवाओं की यह टोली बिना किसी स्वार्थ के पर्यावरण की सेवा में निरंतर जुटी है यह अत्यंत प्रशंसनीय है।

तहसीलदार कुणाल पांडेय ने भी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि वे इस मुहिम से इतने प्रभावित हुए कि स्वयं तसील कार्यालय में पौधरोपण हेतु इस टीम को आमंत्रित किया। उन्होंने कहा आज के समय में जब लोग अपने लिए भी समय नहीं निकाल पा रहे हैं, ऐसे में यह संस्था वर्षों से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य कर रही है, यह अपने आप में अनुकरणीय है।

संस्था के सचिव एवं तृतीय चरण के अभियान प्रभारी विनोद यादव ने बताया कि हम निरंतर नगर के विभिन्न स्थानों में पौधरोपण करते आ रहे हैं। इस बार तसील कार्यालय को इसलिए चुना गया क्योंकि यह एक सार्वजनिक स्थान है, जहाँ प्रतिदिन सैकड़ों लोग आते हैं। गर्मियों में यहाँ छाया की कमी महसूस की जाती थी और स्थानीय लोग यहाँ वृक्षारोपण की मांग कर रहे थे। इसे ध्यान में रखते हुए यहाँ पौधरोपण किया गया ताकि भविष्य में आमजन को राहत मिल सके।

अभियान सह प्रभारी गोखलेश सिंह व वरिष्ठ सदस्य रणवीर सिंह ने उपस्थित जनसमूह को पौधों के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा प्राकृतिक संतुलन और वर्षा चक्र सीधा पौधों से जुड़ा है। यदि हम वृक्ष नहीं लगाएंगे तो आने वाले समय में वर्षा भी प्रभावित होगी। अब समय आ गया है कि हम सब इस जिम्मेदारी को साझा करें और पर्यावरण की रक्षा में अपना योगदान दें।

बिना प्रिस्क्रिप्शन नारकोटिक्स दवाओं की बिक्री रोकने मेडिकल स्टोर्स की गई जांच

मुंगेली/मूक पत्रिका

जिले में बिना प्रिस्क्रिप्शन नारकोटिक दवाओं एवं प्रतिबंधित औषधियों के अवैध क्रय-विक्रय पर रोक लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार मुंगेली जिले के विभिन्न मेडिकल स्टोर्स की निरीक्षण कार्रवाई की गई। इस अभियान के अंतर्गत मुंगेली एसडीएम पार्वती पटेल, राजस्व विभाग एवं औषधि विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मुंगेली एवं लोरमी नगर पालिका क्षेत्र में स्थित निम्न मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया गयाः

अशोक मेडिकल स्टोर्स, महादेव मेडिकल स्टोर्स, गणेश मेडिकल स्टोर्स, आदित्य फार्मा, महामाया मेडिकल (फुलवारी), महामाया मेडिकल स्टोर्स (ढोलगी), संकट मोचन मेडिकल स्टोर्स

निरीक्षण के दौरान चार मेडिकल स्टोर्स द्वारा औषधियों के क्रय-विक्रय से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। साथ ही, औषधि अधिनियम के प्रावधानों के तहत मेडिकल स्टोर्स संचालन के लिए निर्देश भी दिए गए। इस निरीक्षण में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, औषधि निरीक्षक महेन्द्र देवांगन एवं लोरमी क्षेत्र से रत्नेश बरगाह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मिशन कर्मयोगीः राष्ट्र निर्माण का संकल्प मुख्यमंत्री साय

क्षमता विकास आयोग और छत्तीसगढ़ शासन के बीच हुआ एमओयू

रायपुर/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के समक्ष बीते सोमवार को नवा रायपुर स्थित एक निजी होटल में भारत सरकार की क्षमता विकास आयोग एवं छत्तीसगढ़ शासन के मध्य एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत हुए इस एमओयू पर छत्तीसगढ़ शासन की ओर से अपर मुख्य सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के महानिदेशक सुब्रत साहू तथा क्षमता विकास आयोग की ओर से सदस्य सचिव श्रीमती वी. ललिता लक्ष्मी ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मिशन कर्मयोगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वप्नों को साकार करने वाला एक दूरदर्शी मिशन है। इस मिशन के माध्यम से देश के सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों में कर्मयोगी की भावना विकसित होगी और वे राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में चार लाख शासकीय सेवकों को सतत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिसकी प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अब तक लगभग 50 हजार अधिकारी-कर्मचारी इस प्रशिक्षण को सफ्लतापूर्वक पूर्ण कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते वैश्विक और राष्ट्रीय परिदृश्य के अनुरूप कौशल विकास आज की अनिवार्यता बन गया है। इस नए युग के साथ निरंतर कौशल उन्नयन तथा शासन-प्रशासन में उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने में मिशन कर्मयोगी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में जिस सुशासन की स्थापना के उद्देश्य से कार्य किया जा रहा है, उसे नई ऊँचाई प्रदान करने में यह एमओयू एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस साझेदारी के माध्यम से राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नवीन प्रशिक्षण पद्धतियों को अपनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन कर्मयोगी को पूर्ण समर्पण के साथ लागू करने तथा इसके लाभ को प्रशासन के प्रत्येक स्तर तक पहुँचाने हेतु राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। सरकार निरंतर शासन एवं प्रशासनिक स्तर पर नवाचार और अभिनव पहलों के माध्यम से व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि यह पहल लोक सेवकों को नागरिकों की आवश्यकताओं के प्रति अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाने में सहायक सिद्ध होगी, साथ ही जन-केंद्रित नीतियों और सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में भी सहयोग प्रदान करेगी। श्री साय ने कहा कि इन प्रयासों के माध्यम से हम सभी मिलकर कुशल और प्रेरित लोक सेवकों के सहयोग से विकसित छत्तीसगढ़ के स्वप्न को साकार कर पाएँगे।

इस अवसर पर आयोग की सदस्य डॉ. अल्का मित्तल, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, मिशन कर्मयोगी योजना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राकेश वर्मा, प्रशासन अकादमी के संचालक टी.सी. महावर एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा ध्रुवीकरण करने के लिए अल्पसंख्यकों को निशाना बनाती हैः भूपेश बघेल

आदिवासी युवतियों के साथ दो ननों को गिरफ़्तार करने के मामले में जांच करनी चाहिए थी

रायपुर/मूक पत्रिका

दुर्ग में दो ननों सहित तीन लोगों को गिरफ़्तार कर मानव तस्करी व धर्मांतरण का आरोप लगाने के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी के राज में पूरे देश में अल्पसंख्यक असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा है कि बहुसंख्यकों का ध्रुवीकरण करने के लिए भाजपा ऐसा षडयंत्र करती है।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा है कि क़ानून यह कहता है कि किसी मामले में शिकायत दर्ज हो तो पहले जांच की जानी चाहिए फिर एफ़आईआर दर्ज करके कार्रवाई करना चाहिए, लेकिन भाजपा सरकारों के अंतर्गत पूरे देश में हो रहा है कि जैसे ही अल्पसंख्यकों का मामला आता है, पुलिस बिना क़ानूनी औपचारिकता पूरी किए कार्रवाई करती है. चाहे वो ईसाइयों का मामला हो, मुसलमानों का या फिर सिख या किसी अन्य अल्पसंख्यक का। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा बहुसंख्यक समुदाय के राजनीतिक ध्रुवीकरण के लिए ऐसा करती है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा है कि ननों पर भी इसीलिए कार्रवाई की गई कि तीनों आदिवासी महिलाओं को उनकी सहमति से रोज़गार के लिए साथ ले जाया जा रहा था और इसमें उनके परिजनों की स्वीकृति भी थी। नौकरी करना हर किसी का नागरिक अधिकार है और इसके लिए कोई भी व्यक्ति देश के किसी भी हिस्से में जाकर काम कर सकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने कहा है कि पुलिस की अनुचित कार्रवाई पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का यह बयान भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह महिलाओं की सुरक्षा का मामला है। उन्होंने कहा है कि बयान देने से पहले मुख्यमंत्री तथ्यों की जांच करवा लेते तो बेहतर होता। इस मामले पर विरोध दर्द करवाने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है. उन्होंने कहा है कि जिन ननों पर आरोप लगाए गए हैं वे एसिसी सिस्टर्स ऑफ़ मैरी इमैक्युलेट (एएसएमआई) की सदस्य हैं और परिजनों की स्वीकृति के साथ उनके साथ जा रहीं थीं। इस मामले में आज संसद में भी विरोध प्रदर्शन किया गया।

कवर्धा में हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा के दौरान हादसा, हवा के झोंके से गिरा एलईडी प्रोजेक्टर, युवक घायल

कवर्धा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में भोरमदेव महोत्सव के दौरान बीते सोमवार को उस समय अफ्रा-तफ्री मच गई, जब हेलीकॉप्टर से हो रही पुष्पवर्षा के दौरान तेज हवा के कारण एक एलईडी प्रोजेक्टर मंच से नीचे गिर पड़ा। प्रोजेक्टर गिरने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही बेहोश हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भोरमदेव मंदिर में कांवड़ियों के स्वागत के लिए प्रशासन द्वारा विशेष आयोजन किया गया था, जिसमें हेलीकॉप्टर से फूल बरसाए जा रहे थे। उसी दौरान तेज हवा के झोंकों से मंच पर लगा एलईडी प्रोजेक्टर संतुलन खो बैठा और नीचे खड़े युवक के ऊपर गिर पड़ा। घायल युवक को तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इस घटना ने प्रशासनिक तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आयोजन स्थल पर भीड़ नियंत्रण और उपकरणों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण यह हादसा हुआ, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

स्थानीय लोगों में रोष - हादसे के बाद स्थानीय लोगों और कांवड़ियों में प्रशासन के खिलाफ नाराजगी देखने को मिली। लोगों ने आयोजन स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा और व्यवस्था न होने की शिकायत की और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

प्रशासन की सफाई - जिला प्रशासन की ओर से बताया गया है कि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाएं न हों, इसके लिए जरूरी निर्देश दिए जाएंगे।

ग्रामीण महिला उद्यमियों के लिए रायपुर प्रशासन की अभिनव पहल   प्रोजेक्ट बिजनेस दीदी सफलतापूर्वक संपन्न, प्रोजेक्ट बिजनेस दीदीः महिला उद्यमिता को मिली नई उड़ान

प्रशिक्षण से सशक्तिकरण की ओर : 'बिजनेस दीदी' ने दिखाई नई राह

रायपुर/मूक पत्रिका

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में जिला प्रशासन रायपुर द्वारा एक नई पहल ÷प्रोजेक्ट बिजनेस दीदी÷ की शुरुआत की गई। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन के सहयोग से 26 एवं 27 जुलाई 2025 को मल्टी यूटिलिटी सेंटर, सेरीखेड़ी में आयोजित किया गया। यह पहल कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन के कुशल नेतृत्व में किया गया।

इस दो दिवसीय कार्यशाला का उ?द्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिला उद्यमियों को व्यवसायिक जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाना था। कार्यक्रम के दौरान स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लगभग 200 महिला उद्यमियों ने भाग लिया। उन्हें मार्केटप्लेस लिटरेसी के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें उत्पाद मूल्य निर्धारण, बाजार की समझ, ग्राहक व्यवहार, विपणन रणनीति तथा व्यवसाय को कैसे आगे बढ़ाया जाए इन सभी बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई।

यह प्रशिक्षण लोयला मेरीमाउंट यूनिवर्सिटी, लॉस एंजिल्स के प्रख्यात प्रोफेसर मधु विश्वनाथ द्वारा दिया गया एवं जिला प्रशासन रायपुर तथा भारतीय प्रौ?द्योगिकी संस्थान, भिलाई (ढ्ढढ्ढञ्ज भिलाई इनोवेशन एवं टेक्नोलॉजी फाउंडेशन) के संयुक्त प्रयास से संपन्न हुआ। विशेषज्ञों ने व्यावसायिक रणनीतियों से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म्स (जैसे ह्लह्लष्ट) पर उत्पादों को प्रदर्शित करने तक की जानकारी भी साझा की।

इस आयोजन में आई.बी.आई.टी.एफ के सी.टी.ओ विष्णु त्रिवेदी, बिहान परियोजना से जुड़े जिला स्तरीय अधिकारी, विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों के प्रतिनिधि, एफ्पीओ (फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन) के सीईओ एवं अन्य संबंधित अधिकारी भी सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए। उनकी उपस्थिति ने प्रशिक्षण सत्र को और अधिक व्यावहारिक, प्रभावशाली एवं नीति-आधारित बनाया।

यह कार्यक्रम महिला उद्यमिता को ग्रामीण क्षेत्रों में एक नई दिशा देने वाला साबित हुआ। इसके माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार की संभावनाएं मिलीं और उन्हें स्थानीय एवं राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए सक्षम बनाया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

दीक्षा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ के कट में प्रवेश करने वाली इकलौती भारतीय

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड), एजेंसी। दीक्षा डागर संयुक्त रूप से 59वें स्थान के साथ 2025 आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय रही। दीक्षा ने पार-72 के कोर्स पर दूसरे दिन चार ओवर 76 का कार्ड खेल कुल एक ओवर के स्कोर के साथ कट में प्रवेश किया। कट में कुल 71 खिलाड़ियों ने जगह बनाई। दीक्षा ने पहले दिन तीन अंडर 69 के कार्ड के साथ अच्छी शुरुआत की थी लेकिन दूसरे दिन लय बरकरार नहीं रख सकी। पेशेवर गोल्फ में पदार्पण कर रही इंग्लैंड की लॉटी वोड दूसरे दिन 65 का कार्ड खेलने के बाद कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है। दीक्षा आखिरी दो होल में बर्डी लगाकर कट में प्रवेश करने में सफल रही। इस दौर के 16वें होल तक उनका स्कोर छह ओवर का था। टूर्नामेंट में खेल रही दो अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रणवी उर्स (75-73) और त्वेसा मलिक (77-77) कट से चूक गईं।

डीसी ओपन टेनिसः

लेलाह फर्नांडिज और अन्ना कालिन्सकाया फाइनल में, रादुकानू और रिबाकिना हारीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। कालिन्सकाया ने हालांकि फर्नांडिज से आधे से भी कम समय में ऐमा राडुकानु को 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल में जगह बनाने वाली फर्नांडिज और कालिन्सकाया दोनों गैरवरीय खिलाड़ी हैं। लेलाह फर्नांडिज हार्ड कोर्ट टेनिस प्रतियोगिता डीसी ओपन के फाइनल में सत्र का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने उतरेंगी जबकि अन्ना कालिन्सकाया की नजरें करियर के पहले खिताब पर होंगी। अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता फर्नांडिज ने 12 ऐस लगाते हुए सेमीफाइनल में शनिवार को 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना को तीन घंटे और 16 मिनट में 6-7, 7-6, 7-6 से हराया। कालिन्सकाया ने हालांकि फर्नांडिज से आधे से भी कम समय में ऐमा राडुकानु को 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में जगह बनाने वाली फर्नांडिज और कालिन्सकाया दोनों गैरवरीय खिलाड़ी हैं। पुरुष एकल में सातवें वरीय एलेक्स डि मनोर ने कोरेंटिन मोटेट को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत चौथे वरीय बेन शेल्टन और 12वें वरीय एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगी।

इस क्रिकेटर का कब होगा डेब्यू?

2021 में हुए टीम इंडिया में शामिल, तब से 16 प्लेयर कर चुके करियर शुरू

अभिमन्यु इस टीम के लिए खेलते हैं घरेलू क्रिकेट

अभिमन्यु ईश्वरन का जन्म 6 सितंबर, 1995 को उत्तराखंड के देहरादून में हुआ था. अभिमन्यु घरेलू क्रिकेट में अपने घरेलू राज्य की बजाय बंगाल टीम के लिए खेलते हैं. उनके पिता आरपी ईश्वरन ने कई साल पहले पुरकुल गांव में अभिमन्यु क्रिकेट एकेडमी की स्थापना की थी. इसी एकेडमी में अभिमन्यु ने क्रिकेट के गुर सीखे थे. अभिमन्यु ईश्वरन का फर्स्ट क्लास करियर काफी शानदार रहा है. अभिमन्यु ने अब तक 103 फर्स्ट क्लास मैच खेले, जिसमें उन्होंने 48.70 की औसत से 7841 रन बनाए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से 27 शतक और 31 अर्धशतक निकले. इस खिलाड़ी ने 89 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिसमें 47.03 की औसत से 3857 रन बनाए. लिस्ट-ए क्रिकेट में अभिमन्यु ने 9 शतक और 23 अर्धशतक लगाए. अभिमन्यु ने 34 टी20 मैच भी खेले हैं, जिसमें उनके नाम पर 37.53 के एवरेज से 973 रन दर्ज हैं. टी20 क्रिकेट में अभिमन्यु के बल्ले से एक शतक और 5 अर्धशतक निकले. अभिमन्यु ईश्वरन ने हाल ही में इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ दो फर्स्ट क्लास मुकाबलों में इंडिया-ए की कप्तानी की थी. दोनों ही फर्स्ट क्लास मैचों में अभिमन्यु अर्धशतकीय पारियां खेलने में कामयाब रहे थे।

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेटर अभिमन्यु ईश्वरन का भारतीय टीम के लिए डेब्यू का इंतजार जारी है. अभिमन्यु का ये इंतजार चार साल का हो चुका है. अभिमन्यु साल 2021 में पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल हुए थे और इंग्लैंड दौरे पर गए. लेकिन तब रोहित शर्मा और केएल राहुल ने ओपनिंग की जिम्मेदारी संभाली, जिसके चलते उन्हें मौका नहीं मिला. अब रोहित शर्मा टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है, फिर भी इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में अभिमन्यु ईश्वरन अब तक बेंच पर ही बैठे हैं. दाएं हाथ के बल्लेबाज अभिमन्यु भारतीय टीम के साथ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी (2024-25) के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी गए थे, लेकिन वो पांचों टेस्ट मैच में प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन पाए. इन चार सालों में 16 नए खिलाड़ियों ने भारत के लिए टेस्ट डेब्यू किया, लेकिन अभिमन्यु ईश्वरन का इंतजार खत्म नहीं हुआ है. इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर मैच में तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज भी डेब्यू करने में कामयाब रहे, जो चंद दिनों पहले ही टीम से जुड़े थे. अंशुल के अलावा श्रेयस अय्यर, केएस भरत, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल, ईशान किशन, मुकेश कुमार, प्रसिद्ध कृष्णा, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, आकाश दीप, देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा और साई सुदर्शन भी इस पीरियड में अपना टेस्ट डेब्यू करने में सफल रहे.

कब खत्म होगा अभिमन्यु का इंतजार?

टीम मैनेजमेंट का मानना है कि बल्लेबाजों को नेट्स में तेज गेंदबाजों के खिलाफ प्रदर्शन के आधार पर परखा जाता है. जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाजों को फेस करते समय बल्लेबाजों की तकनीक की परीक्षा होती है. ऐसा लगता है कि अभिमन्यु ईश्वरन भारतीय टीम मैनेजमेंट को प्रभावित नहीं कर पाए. 29 साल के अभिमन्यु के पास अब भी वक्त है, लेकिन इतना लंबा इंतजार एक क्रिकेट के लिए मनोबल गिराने वाला होता है..

टीम इंडिया से बाहर होते ही नीतीश रेड्डी पर केस दर्ज

करोड़ों की धांधली का लगा आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चोट लगने की वजह से इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं. इस झटके से अभी वो उबर भी नहीं पाए थे कि उनको एक और बड़ा झटका लगा है. उन पर 5 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया भुगतान नहीं करने का आरोप लगा है. इस मामले में उन पर केस दर्ज कर लिया गया है. उन पर ये आरोप बेंगलुरु स्थित टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी स्क्वायर द वन ने लगाया. इस दौरान उसने याचिका दायर की है, जिसकी सुनवाई दिल्ली हाई कोर्ट में होगी. नीतीश रेड्डी को इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैच में खेलने का मौका मिला था, लेकिन ट्रेनिंग के दौरान चोटिल होने पर उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया. अब वो एक नई मुसीबत में फंस गए हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक नीतीश रेड्डी और उनकी पूर्व मैनेजमेंट एजेंसी स्क्वायर द वन के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया था. इसके बाद टीम इंडिया के इस ऑलराउंडर ने टीम के एक क्रिकेटर की मदद से एक नए मैनजमेंट एजेंसी से कॉन्ट्रैक्ट कर लिया, जबकि स्क्वायर द वन से नीतीश का 3 साल का करार था. रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मामले को लेकर स्क्वायर द वन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक शिव धवन ने नीतीश रेड्डी पर समझौते का उल्लंघन करने और बकाया भुगतान न करने का आरोप लगाते हुए याचिका दायर कर दी ।

एशिया कप में वैभव सूर्यवंशी...

पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू से लेकर बाबर आजम को पछाड़ने तक की पूरी कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 का आगाज होने जा रहा है. 8 टीमों के बीच ये टूर्नामेंट 9 सितंबर से शुरू होकर 28 सितंबर के बीच,श्र में खेला जाएगा. एशिया कप से ही 14 साल की क्रिकेट सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने भी व्हाइट बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया की जर्सी पहनी थी. हालांकि, वो एशिया कप सीनियर टीम का नहीं बल्कि अंडर 19 टीम का था, जिसका आयोजन भी पिछले साल,श्र में ही हुआ था. वैभव सूर्यवंशी ने उस अंडर 19 एशिया कप में ना सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था, बल्कि टूर्नामेंट में इतने रन और इतने छक्के ठोक डाले थे कि बाबर आजम तक को पछाड़ डाला था. 30 नवंबर, 2024. ये वही तारीख है जिस दिन व्हाइट बॉल क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी ने डेब्यू किया था. उन्होंने अपना पहला मैच अंडर 19 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था. हालांकि, अंडर 19 एशिया कप की अपनी डेब्यू इनिंग में वो 1 रन से ज्यादा नहीं बना पाए थे. पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू तो अच्छा नहीं रहा मगर आगे वो ना सिर्फ उस टूर्नामेंट में भारत के दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज बनकर उभरे बल्कि अपना पहला ही अंडर 19 एशिया कप खेलते हुए बाबर आजम को भी पीछे छोड़ दिया.

वैभव सूर्यवंशी का 19 एशिया कप में रिकॉर्ड

वैभव सूर्यवंशी ने अंडर 19 एशिया कप 2024 में फाइनल को मिलाकर कुल 5 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 44 की औसत और 145.45 की स्ट्राइक रेट से 2 अर्धशतक के साथ 176 रन बनाए. इसमें उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 76 रन का रहा. अंडर 19 एशिया कप 2024 में वैभव सूर्यवंशी ने 14 चौके और 12 छक्के लगाए थे.

बाबर आजम को वैभव सूर्यवंशी ने पछाड़ा - पाकिस्तान के बाबर आजम ने भी साल 2012 के अंडर 19 एशिया कप में 5 मैच खेले थे, जहां उन्होंने 32.60 की औसत और 69.36 की स्ट्राइक रेट से 1 अर्धशतक के साथ 163 रन बनाए थे. उनका बेस्ट स्कोर 68 रन का रहा था. बाबर आजम ने अंडर 19 एशिया कप 2012 में 20 चौके और 1 छक्का लगाया था. मतलब वैभव सूर्यवंशी ने बाबर आजम से सिर्फ 13 रन ही ज्यादा नहीं बनाए हैं बल्कि उनसे 11 छक्के भी ज्यादा जमाए हैं.

वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर एशिया कप का रिकॉर्ड - अंडर 19 एशिया कप के इतिहास में सबसे ज्यादा 840 रन बनाने का रिकॉर्ड भी पाकिस्तान के समी असलम के नाम है. उन्होंने ये रन 2012 और 2014 के एशिया कप को मिलाकर खेले कुल 10 मैचों में 93.33 की औसत से 4 शतक और 4 अर्धशतक के साथ बनाए हैं. वैभव सूर्यवंशी की उम्र अभी 14 साल है. यानी, पाकिस्तान के समी असलम के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए फिलहाल उनके पास पूरा मौका है.

WWE में आएगी इन रेसलर्स की शामत

ब्रॉक लेसनर वापसी पर मचाएंगे तबाही

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रॉक लेसनर जब तक आधिकारिक तौर पर रिटायर नहीं हो जाते, तब तक डब्ल्यूडब्ल्यूई में उनकी वापसी की चर्चा हमेशा बनी रहेगी। विंस मैकमैहन के वे पसंदीदा थे और उन्होंने पार्ट-टाइम प्रदर्शन करते हुए कई टाइटल जीते। पिछले छह सालों में द बीस्ट के नाम से मशहूर ब्रॉक लेसनर ने मनी इन द बैंक लैडर मैच, एलिमिनेशन चैंबर मैच और रॉयल रंबल जीता है। अपनी उपलब्धियों के बावजूद, उन्होंने दो साल पहले समरस्लैम में कोडी रोड्स के साथ हुए मैच के बाद से रेसलिंग नहीं की है। लेसनर अभी भी अच्छी शेप में हैं और उनके सामने नई चुनौतियां हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि ब्रॉक लेसनर वापसी करते ही किसके खिलाफ मुकाबला कर सकते हैं।

1. गुंथर

गुंथर लेसनर की शारीरिक क्षमता से टक्कर ले सकते हैं। लेसनर और गुंथर 2023 रॉयल रंबल के दौरान एक-दूसरे के सामने आए थे। उस समय दर्शकों ने इस टकराव को देखकर खूब तालियां बजाई थीं। अगर ब्रॉक लेसनर एक्शन में लौटते हैं और अच्छी शेप में रहते हैं, तो गुंथर एक बेहतरीन प्रतिद्वंद्वी होंगे। चाहे उनके पास वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप हो या न हो।

2. कोडी रोड्स

कोडी रोड्स आखिरी व्यक्ति थे जिन्होंने ब्रॉक लेसनर से रेसलिंग की थी। ब्रॉक लेसनर ने दो साल पहले कोडी रोड्स से हारने के बाद उन्हें समर्थन दिया था। कोडी रोड्स आखिरी बार ब्रॉक लेसनर के सामने डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में खड़े थे। समरस्लैम 2023 में उनके मुकाबले के बाद ब्रॉक लेसनर ने रोड्स का हाथ जीत के लिए ऊपर उठाया था। कोडी रोड्स ने लेसनर के कई दुश्मनों से लड़ाई की है, जिनमें रोमन रेंस और जॉन सीना शामिल हैं। चूंकि रोड्स आखिरी व्यक्ति थे जिनसे उनका सामना हुआ था, इसलिए वापसी करके कोडी को टारगेट करना बनता है।

3. ब्रॉक लेसनर

लेसनर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपनी पहली वापसी में जॉन सीना को टारगेट किया था। लेसनर की डब्ल्यूडब्ल्यूई में पहली बड़ी वापसी 2012 में हुई थी। उन्होंने उस समय के चैंपियन जॉन सीना पर हमला किया था। ब्रॉक लेसनर की यह वापसी लगभग एक दशक के बाद कंपनी में पहली उपस्थिति थी। सीना अपने रिटायरमेंट टूर पर हैं और उन्होंने अपने अतीत के कई नामों का सामना किया है। सीएम पंक, कोडी रोड्स और रैंडी ऑर्टन ने 2025 में जॉन सीना का विरोध किया है। चूंकि लेसनर सीना के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वियों में से एक थे, इसलिए दोनों के लिए एक और मुकाबला करना बनता है।

दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए, कभी हां, कभी ना एशिया कप में भारत-पाक मैच पर बोले कनेरिया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया ने लंबे समय से विवादों और बहसों में घिरे एशिया कप के कार्यक्रम पर अपनी राय साझा करते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबला संभवतः एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद हुआ है। एसीसी द्वारा शनिवार को घोषित विस्तृत कार्यक्रम के अनुसार भारत और पाकिस्तान 14 सितंबर को एशिया कप के ग्रुप चरण के मुकाबले में आमने-सामने होंगे। यह घोषणा भारतीय चैंपियंस टीम से जुड़े एक बेहद संवेदनशील प्रकरण के कुछ ही दिनों बाद आई है, जिसने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ निर्धारित मुकाबले से अपना नाम वापस ले लिया था। कनेरिया ने कहा, (दोनों देशों के बीच) क्रिकेट होना चाहिए... लोग इस बारे में इसलिए बात कर रहे हैं क्योंकि हाल ही में एक घटना हुई थी जहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ़ लीजेंड्स में भारत-पाकिस्तान का मैच होना था, लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने मैच का बहिष्कार कर दिया। इस कदम से संकेत मिला कि शायद भारत भविष्य में एशिया कप या आईसीसी टूर्नामेंट जैसे आयोजनों में भी पाकिस्तान के साथ नहीं खेलेगा। इस बहिष्कार ने सुर्खियां बटोरीं और इसके बाद कई बयान आए, जिससे यह धारणा बनी कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में हिस्सा नहीं लेगा। उन्होंने कहा, लेकिन फिर एक ऑनलाइन बैठक हुई जिसमें पीसीबी अध्यक्ष और एशियाई क्रिकेट परिषद के प्रमुख मोहसिन नकवी और बीसीसीआई के प्रतिनिधि मौजूद थे। एसीसी को बीसीसीआई से हरी झंडी मिल गई होगी, इसीलिए भारत-पाकिस्तान मैच निर्धारित किया गया। कनेरिया का मानना है कि बीसीसीआई को इतने बड़े मुकाबले के लिए हामी भरने से पहले और समय लेना चाहिए था और शीर्ष नेतृत्व से सलाह लेनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि बीसीसीआई को इस पर और विचार करना चाहिए था और कोई फैसला लेने से पहले समय लेना चाहिए था। दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए - कभी हां, कभी ना। कनेरिया ने कहा, अगर आप देशभक्ति की बात कर रहे हैं, तो आपको उस पर लगातार कायम रहना होगा। अभी से लेकर उस मैच वाले दिन तक, आप देखेंगे कि प्रचार और हंगामा बढ़ता ही जाएगा। और फिर लोग क्रिकेटरों के पहले के रुख पर सवाल उठाने लगेंगे। उन्होंने कहा, या तो साफ कह दीजिए कि खेल और राजनीति अलग-अलग हैं, या फिर हर मोर्चे पर अपना रुख मजबूत बनाए रखिए। कोई दोहरा मापदंड नहीं। अगर ना है, तो ना ही रहने दीजिए। अगर हां है, तो हां कह दीजिए और उस पर अड़े रहिए।

कनेरिया ने कहा कि किसी टूर्नामेंट में भारत की अनुपस्थिति हर चीज को प्रभावित करती है - टीवी अधिकारों और प्रायोजनों से लेकर वैश्विक दर्शकों तक। उन्होंने कहा, %आखिरकार, बीसीसीआई को इससे क्या फर्क पड़ता है? वे क्रिकेट से होने वाले राजस्व का लगभग 99 प्रतिशत कमाते हैं। शीर्ष क्रिकेट खेलने वाले देश - ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड - सभी भारत के साथ खेलना चाहते हैं क्योंकि उनके खिलाड़ी आईपीएल का हिस्सा हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे आकर्षक लीग है। मान लीजिए- अगर भारत भाग नहीं लेता है, तो टीवी अधिकार नहीं बिकते, विज्ञापन कम हो जाते हैं, और दर्शकों की संख्या कम हो जाती है। सिर्फ एक भारत-पाकिस्तान मैच ही दर्शकों की संख्या में भारी वृद्धि कर देता है।

उन्होंने अंत में कहा कि बीसीसीआई को एक पारदर्शी और सुसंगत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, जब आप सत्ता में होते हैं, तो आपको यह समझने और परिभाषित करने में सक्षम होना चाहिए - या तो क्रिकेट अलग है, या नहीं। अगर देशभक्ति मायने रखती है, तो यह सुसंगत होनी चाहिए। एक दिन के लिए नहीं, एक हफ्ते के लिए नहीं, बल्कि हमेशा। आप हर कुछ हफ्तों में अपना रुख नहीं बदल सकते। एक बार फैसला हो जाने के बाद उस पर अडिग रहें। यही बात मुझे समझ नहीं आई - यह फैसला इतनी जल्दी क्यों लिया गया?

प्रेमी से मिलकर हत्या करने वाली आरोपीयां एवं प्रेमी आरोपी गिरफ्तार

थाना अकलतरा/सायबर पुलिस की त्वरित कार्यवाही

जांजगीर /मूक पत्रिका

आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कुदाल एवं स्कूटी जप्त किया गया। हत्या जैसे घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए, आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड मे भेजा गया। आरोपी- 01. युवराज निषाद उम्र 35 वर्ष निवासी रौना कापा थाना चरहागांव जिला मुंगेली। 02. ईश्वरी बाई केंवट उम्र 32 वर्ष निवासी कोटमीसोनार थाना अकलतरा जिला जांजगीर चांपा के विरूद्ध धारा 103(1),3(5) बीएनएस के तहत की गई कार्यवाही। मामले में प्रार्थी प्रकाश कुमार केवट निवासी कोटमीसोनार द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका भाई मृतक अमरनाथ केंवट की पत्नि ईश्वरी बाई केंवट कुछ माह पूर्व ग्राम रौना कांपा के युवराज निषाद के साथ पुणे तरफ भाग गई थी, जो दिनांक 21/7/25 को अमरनाथ के द्वारा वापस बुलाने पर वापस घर आ गई थी कि दिनांक 27/07/2025 को अपने घर में अपने पति के साथ थी कि दोपहर करीबन 03.15 बजे अमरनाथ केंवट का लडका लक्ष्य कुमार केंवट ने अपने बडे पापा को जाकर बताया कि इसकी मां ईश्वरी केवट का प्रेमी युवराज केंवट निवासी रौना कांपा का जो घर अंदर घुसकर घर में रखे कुदाली से मेरे पिता अमरनाथ के सिर चेहरा में कुदाली से मारपीट कर गंभीर चोट पहुचाया है, तब प्रकाश केंवट जाकर देखा तो अमरनाथ खून में लतपत था जिसे तत्काल प्राइवेट वाहन से उपचार हेतू शासकीय अस्पताल अकलतरा लेकर आये डाक्टर साहब के द्रारा चेक कर अमरनाथ केंवट का मृत्यु होना बताये है जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 347/2025 धारा धारा 103(1),3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया थाहत्या जैसे घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में आरोपी युवराज निषाद, ईश्वरी केंवट को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार करते हुए बताए कि दोनों एक दूसरे से पिछले 8, 9 माह से प्यार करते थे और साथ में पुणे तरफ भाग गए थे, फिर वापस बिलासपुर में आकर साथ रह रहे थे की ईश्वरी केवट का पति अमरनाथ आकर ईश्वरी को अपने साथ कोटमीसोनार आने के लिए मनाने पर ईश्वरी वापस आ गई थी। दिनांक 27/7/25 को दोपहर लगभग 3/15 बजे युवराज निषाद कोटमीसोनार आया और अमरनाथ के घर के पीछे से घर में घुसा बड़ी में रखे कुदाल को अंदर लेकर गया और अमरनाथ के चेहरे में ताबड़तोड हमला कर दिया , उस हमले में अमरनाथ की पत्नी भी साथ दी उसके बाद कुदाल को लेकर युवराज, ईश्वरी के मदद से भाग गया और लीलगर नदी किनारे। कुदाल को फेक दिया पूछताछ मेमोरेंडम कथन के आधार पर उक्त कुदाल को जप्त किया गया। घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल को भी जप्त किया जाकर आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर बीते सोमवार को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

NH-30 के पास उदय नगर स्थित कोठारी बड़ा में खड़ी मुस्कान बस में लगी भीषण आग, दमकल विभाग ने समय रहते पाया काबू

कांकेर /मूक पत्रिका

कांकेर राष्ट्रीय राजमार्ग ह्ला-30 के समीप स्थित कोठारी बड़ा क्षेत्र में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब सड़क किनारे खड़ी मुस्कान ट्रेवल्स की यात्री बस (क्रमांक छ्त्र19 स्न 0159) में अचानक आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस से पहले हल्का धुआं उठता देखा गया, जो कुछ ही मिनटों में विकराल आग में तब्दील हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल दल मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। सौभाग्यवश, घटना के समय बस खाली थी, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि, बस का अधिकांश हिस्सा जलकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के पीछे कारणों की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया यह आशंका जताई जा रही है कि आगजनी की यह घटना असामाजिक तत्वों की करतूत हो सकती है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक जांच शुरू कर दी है और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर सार्वजनिक स्थलों पर खड़े वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की मांगें एवं समस्याएं

प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा /मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याएं, शिकायतें एवं मांगों को सुना तथा अधिकारियों को जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए। बीते सोमवार को जनदर्शन में तहसील चांपा के ग्राम महुदा निवासी प्रेमसिंह धनवार ने ट्राई सायकल प्रदान करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि उनकी दिव्यांगता के कारण उन्हें आने-जाने में कठिनाई होती है और उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस पर कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार सारागांव तहसील के देवरी गांव से पहुंची मीनाबाई ने अपने पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में नाम सुधार की मांग रखी। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को आवेदन अग्रेषित करते हुए तुरंत आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। तहसील अकलतरा अंतर्गत ग्राम अमरताल निवासी देवनंदन जांगड़े ने अपने पुत्र की अंकसूची में जन्मतिथि सुधार के लिए आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को सुधार कराने के निर्देश दिए। जनदर्शन में राशन कार्ड, पीएम आवास तथा अन्य विषयों से संबंधित कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए।

विवादों में घिरे प्रधान पाठक को राज्य स्तरीय पुरस्कार, शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

सूरजपुर/प्रतापपुर/मूक पत्रिका

राज्य सरकार द्वारा आगामी 2 अगस्त को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय पुरस्कृत अधिकारी/कर्मचारी सम्मान समारोह में सूरजपुर जिले से चयनित 10 नामों में एक नाम ऐसा भी शामिल है, जो हाल ही में शिक्षा विभाग के आयोजन के दौरान मारपीट, गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार के आरोपों में घिरा हुआ है। प्रतापपुर विकासखंड के माध्यमिक शाला प्रधान पाठक राकेश मोहन मिश्रा, जिन्हें साक्षर भारत योजना के अंतर्गत नामित किया गया है, हाल ही में 11 जुलाई को प्रतापपुर के मंगल भवन में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव के दौरान जिला शिक्षा अधिकारियों के सामने शिक्षक दीपक कुमार झा पर गाली-गलौज और हाथापाई जैसी गंभीर घटनाओं में संलिप्त पाए गए थे। इस घटना की पुष्टि स्वयं अनुविभागीय अधिकारी (रा0) प्रतापपुर के दस्तावेज़ से होती है, जिसमें इस व्यवहार को न केवल अनुशासनहीनता माना गया है, बल्कि शिक्षक संगठन द्वारा भी इसकी शिकायत की गई है। सवाल यह उठ रहा है कि जब यह व्यक्ति विवादों और कर्तव्यहीनता के आरोपों में उलझा हुआ है, तब इसे राज्य स्तरीय सम्मान किस आधार पर प्रदान किया जा रहा है? कार्य निष्पादन पर भी उठे गंभीर प्रश्न

स्थानीय सूत्रों और शिक्षक संगठनों का आरोप है कि उक्त प्रधान पाठक न तो नियमित रूप से विद्यालय आते हैं, न ही ÷साक्षर भारत÷ जैसी योजना को प्रभावशाली ढंग से लागू करते हैं। विद्यालय में मात्र चार शिक्षक हैं, और इनके अनुपस्थित रहने के कारण अन्य शिक्षकों को छठवीं से आठवीं तक की कक्षाओं को संभालना पड़ता है। बताया गया है कि ÷साक्षर भारत÷ कार्यक्रम का कार्य धरातल पर नगण्य है और केवल ÷उल्लास÷ के नाम पर औपचारिक परीक्षाएं कर खानापूर्ति की जाती है।

शिक्षा विभाग की छवि धूमिल-शिक्षा विभाग की भूमिका इस प्रकरण में बेहद संदिग्ध मानी जा रही है। जिस शिक्षक पर विभागीय शिकायत दर्ज है और जिसकी कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठते रहे हैं, उसे सम्मान समारोह हेतु चयनित करना विभागीय निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाता है।क्या यह चयन योग्यता के आधार पर हुआ है या सिफारिश और अंदरूनी राजनीति के तहत? इस पर प्रशासन को स्पष्ट जवाब देना होगा।

निष्कर्ष-राज्य स्तर पर जब सम्मानित किए जाने वाले कर्मियों के चयन में पारदर्शिता न हो, तो यह न केवल योग्य कर्मियों के हक़ को मारता है, बल्कि प्रशासन और शासन की साख पर भी आघात करता है। शासन-प्रशासन से अपेक्षा की जाती है कि वह ऐसे विवादास्पद चयन पर पुनर्विचार करे और शिकायतों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध उचित कार्रवाई करे।

सड़कों पर गड्ढे होने से राहगीर व चालकों को हो रही परेशानी

बेमेतरा/नारायणपुर/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत नारायणपुर चौक भाटापारा मार्ग पर जानलेवा गड्ढों में तब्दील हो चुका है, यह सड़क क्षेत्र के हजारों लोगों के लिए जीवन रेखा मानी जाती है, लेकिन हल में हुई बारिश और जिम्मेदार विभागों की अनदेखी के चलते यह रास्ता अब हादसों का कारण बन गया है, जहां सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं जिसके चलते से वहां से गुजरने वाले मोटरसाइकिल सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं और लोगो दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रहे हैं, इस दौरान मां भगवती होटल के संचालक पप्पू साहू ने बताया कि बारिश के चलते गड्ढों में पानी भर जाता है जिसके चलते वहां से गुजरने वाले बाइक सवार गिरकर दुर्घटनाएं हो रहे हैं, लोगों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि गड्ढों को समतल कर बराबर करने की मांग की हैं जिससे आने जाने वाले राहगीरों व बाइक सवार दुर्घटनाएं होने से रोका जा सके।

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष ने किया वृक्षारोपण, हरियाली के संदेश के साथ दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नगर पंचायत दाढ़ी में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विभिन्न छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर जनता को हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया। इस अवसर पर आईजीपी दुर्ग रेंग राम गोपाल गर्ग, कलेक्टर रणबीर शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, वन मण्डलाधिकारी दुर्ग रेंज विश्वेस कुमार और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्वयंसेवी संस्थाएं और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पीपल के पौधे का रोपण किया, जिसे भारतीय संस्कृति में अत्यंत पवित्र और जीवनदायिनी माना जाता है। उन्होंने कहा कि ÷विकास के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन को बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है।

वृक्षारोपण एक दीर्घकालिक निवेश है जो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु और बेहतर वातावरण प्रदान करेगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बरगद का पौधा रोपा और कहा कि बरगद भारतीय परंपरा में ज्ञान, दीर्घायु और सामूहिकता का प्रतीक है। यह वृक्ष शीतल छाया देने के साथ-साथ जैव विविधता को भी बढ़ावा देता है। वहीं, उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने मौलश्री के पौधे का वृक्षारोपण किया। उन्होंने कहा कि मौलश्री एक सुंदर एवं सुगंधित वृक्ष है, जो पर्यावरण को शुद्ध करता है और स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। उन्होंने आम नागरिकों से भी आग्रह किया कि वे अपने जीवन में कम से कम एक वृक्ष जरूर लगाएं । कार्यक्रम में वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण सुरक्षा का संदेश व्यापक रूप से प्रसारित हुआ, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में हरियाली को बढ़ावा मिलेगा।

तहसीलदार और नायब तहसीलदार आंदोलन पर, तहसीलों में कम हुआ ठप्प

जांजगीर-चांपा /मूक पत्रिका

जिले भर के सभी ब्लॉक के तहसीलदार और नायब तहसीलदार सोमवार 28 जुलाई को हॉकी मैदान में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन पर बैठ गए और अपनी 17 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। जिससे सभी तहसील कार्यालयों में राजस्व का काम प्रभावित हुआ है। यह आंदोलन छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के बैनर तले किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने राज्य शासन एवं विभाग को लंबे समय से तहसील कार्यालयों की गंभीर समस्याओं से अवगत कराने के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं मिलने पर 28 जुलाई 2025 से चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। संघ का कहना है कि ÷संसाधन नहीं तो काम नहीं÷ के सिद्धांत पर आधारित 17 सूत्रीय मांगों को लेकर लगातार ज्ञापन और आग्रह के माध्यम से शासन का ध्यान आकर्षित किया गया, किंतु अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई है। संघ के अनुसार तहसील कार्यालयों में तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को मानव संसाधन, तकनीकी उपकरण, सुरक्षा व्यवस्था, शासकीय वाहन, कार्यालयीन सहयोग जैसी मूलभूत सुविधाओं का भारी अभाव है, जिससे नियमित कार्यों में गंभीर बाधाएँ उत्पन्न हो रही हैं। इधर तहसीलदारों और नायब तहसीलदार के आंदोलन में चले जाने से काम काज प्रभावित हुआ है, जिसमें राजस्व का जमीन संबंधित न्यायालयनीय प्रकरण, आय जाति निवास प्रमाण पत्र, किसान पंजीयन, भुईयां पोर्टल सहित अन्य जरूरी काम आज से प्रभावित हो गया है जिसके कारण प्रकरणों की कार्यवाही में विलंब हो सकती है, जिसका खामियाजा छात्र छात्राओं, आम जनता और खासकर किसानों को उठाना पड़ सकता है।

क्रिश्चयन बने व्यक्ति की मौत के बाद विवाद हुआ

शव दफनाने को लेकर जामगांव में हुआ तनाव

कांकेर/मूक पत्रिका

नरहरपुर थानांतर्गत ग्राम जामगांव में धर्म परिवर्तन कर क्रिश्चन बने व्यक्ति की मौत के बाद उसके शव का दफ्नाने को लेकर विवाद हो गया। परिजनों ने चुपके से उसका कफ्न दफ्न कर दिया। जब इसकी जानकारी गांव के लोगों को लगी तो वे इसका विरोध करने लगे। इसी को लेकर दोनों पक्षों में विवाद होने लगा और तनाव बढ़ गया। जिस पर जिला प्रशासन व पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीण शव को वहां नहीं रखना चाहते थे, जबकि परिजन उसे वहीं दफ्न रहने देने की मांग पर अड़े थे। शाम 6 बजे तक इसका हल नहीं निकला था व दोनों पक्ष अपनी अपनी मांग को लेकर अड़े रहे। जामगांव निवासी सोमलाल राठौर का परिवार पिछले कुछ सालों से धर्म परिवर्तन कर इसाई धर्म को अपना लिया था। इसके बाद से वह तथा उसका परिवार उसी धर्म के अनुसार अपना जीवन यापन कर रहा था।

कुछ दिनों पूर्व सोमलाल जल्द सुलझा लिया जाएगा

मामला: एएसपी दिनेश

एएसपी दिनेश सिन्हा ने कहा शव के कफ्न दफ्न को लेकर जामगांव में विवाद है। दोनों पक्षों को समझाया जा रहा है। जल्द ही मामला सुलझा लिया जाएगा।

राठौर की तबियत खराब होने पर उसे इलाज के लिए कांकेर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने रविवार सुबह शव को गांव में लाकर अपने अन्य रिश्तेदारों को भी इसकी जानकारी दिए बिना मृतक का कफ्न दफ्न करते निजी जमीन में शव को दफ्ना दिया। कुछ देर बाद इसकी जानकारी मृतक के उन रिश्तेदारों को पता चली जो अब भी अपने मूल धर्म में है। वे उन्हें सूचना नहीं देने का आरोप लगा कफ्न दफ्न करने का विरोध करने लगे। इसके साथ गांव के कुछ लोग भी इसका विरोध करने लगे।

आज ही जुड़े हमारे राष्ट्रीय दैनिक अखबार मूक पत्रिका एवं न्यूज नेटवर्क के साथ
आवश्यकता
कवर्धा, कांकेर (उत्तर बस्तर), कोरबा, कोरिया, जशपुर, जांजगीर-चाँपा, मनेन्द्रगढ़, सक्ती, सारंगढ़, मोहल्ला मानपुर, दन्तेवाड़ा (दक्षिण बस्तर), दुर्ग, धमतरी, बिलासपुर, बस्तर, महासमुंद, राजनांदगाँव, रायगढ़, रायपुर, सरगुजा, बलौदाबाजार, बालोद, मुंगेली, बेमेतरा, सुरजपुर, गरियाबंद, सुकमा, बलरामपुर, नारायणपुर, बीजापुर, गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही
राष्ट्रीय अखबार मूक पत्रिका सम्पर्क करें। +91 7999238079, 6267320220
Head Office : Press Road & Media HouseTelibandha Shyam Nagar Raipur Chhattisgarh-492001
इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय दैनिक मूक पत्रिका
MP National News
निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...
छतीसगढ़ के संभाग/ जिला/ब्लॉक/ग्रामीण स्तर पर मिडिया मित्र के रूप में कार्य करने हेतु सम्पर्क करें। 9770269285, 7999238079
कवर्धा, कांकेर (उत्तर बस्तर), कोरबा, कोरिया, जशपुर, जांजगीर-चाँपा, मनेन्द्रगढ़, सक्ती, सारंगढ़, मोहल्ला मानपुर, दन्तेवाड़ा (दक्षिण बस्तर), दुर्ग, धमतरी, बिलासपुर, बस्तर, महासमुंद, राजनांदगाँव, रायगढ़, रायपुर, सरगुजा, बलौदाबाजार, बालोद, मुंगेली, बेमेतरा, सुरजपुर, गरियाबंद, सुकमा, बलरामपुर, नारायणपुर, बीजापुर, गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही
राष्ट्रीय अखबार मूक पत्रिका सम्पर्क करें। +91 7999238079, 6267320220
Head Office : Press Road & Media HouseTelibandha Shyam Nagar Raipur Chhattisgarh-492001
इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय दैनिक मूक पत्रिका
MP National News
निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...
इच्छुक व्यक्ति जल्द सम्पर्क करें।
Contact No.+91 7999238079, 9770269285, 6267320220
Head Office : Press Road & Media HouseTelibandha Shyam Nagar Raipur Chhattisgarh-492001

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।